घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 55- गुरूवार 25- दिसम्बर 2025,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2023-2025

20 साल बाद उद्धव-राज ठाकरे की पार्टी में गठबंधन

कहा...हमारी सोच एक,बंटेंगे तो बिखरेंगे, 29 नगर निगम चुनाव में 15 जनवरी को मतदान

मुंबई,24 दिसम्बर 2025। उद्धव और राज ठाकरे ने बुधवार को बृहन मुंबई नगर निगम चुनाव एक साथ लड़ने का ऐलान किया। 20 साल बाद दोनों की पार्टी शिवसेना (यूबीटी) और मनसे में चुनावी गठबंधन हुआ है। इससे पहले 2005 में राज ठाकरे ने शिवसेना से अलग होकर मनसे पार्टी बनाई थी। दोनों ने जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसका ऐलान किया। उद्धव ठाकरे ने कहा कि हमारी सोच एक है अगर बंटेंगे तो बिखरेंगे। महाराष्ट्र के लिए हम सब एक हैं। इससे पहले दोनों नेता शिवाजी पार्क स्थित बालासाहेब ठाकरे के स्मारक पहुंचे और श्रद्धांजलि दी। महाराष्ट्र में क्ष्ह्ह समेत 29 नगर निगमों में 15 जनवरी को वोटिंग होगी। 16 जनवरी को रिजल्ट आएगा।

राज ठाकरे बोले...मुंबई का मेयर मराठी होगा...

मैने एक बार कहा था कि हमारी आपसी किसी भी विवाद या लड़ाई से महाराष्ट्र बड़ा है। आज की बैठक के बाद हम अन्य नगर निगमों के लिए भी घोषणा करेंगे। मुंबई का मेयर मराठी ही होगा और वह हमारे दल से होगा।

उद्धव ठाकरे बोले...बंटेंगे तो हम सब बिखर जाएंगे...

मैं सभी से अनुरोध और अपील करता हूं कि पिछली विधानसभा चुनावों के दौरान भाजपा ने 'बंटेंगे तो कटेंगे' जैसा दुष्प्रचार किया था। मैं मराठी लोगों से कहना चाहता हूं...अब अगर आपसे चूक हुई तो सब खत्म हो जाएगा। अब अगर हम बंटे तो पूरी तरह मिट जाएंगे। इसलिए न टूटें,न बंटें। मराठी अस्मिता की विरासत को न छोंड़ें।

कोडीन कफ सिरप से युवाओं में बढ़ रही नशे की लत,दोषियों पर हो सख्त कार्रवाई : कांग्रेस

नई दिल्ली,24 दिसम्बर 2025। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने प्रतिबंधित कोडीन कफ सिरप से उत्तर प्रदेश के युवाओं में बढ़ती नशे की लत का मुद्दा उठाया और सरकार से इसके दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि यह सस्ती दवा अब खतरनाक नशे का रूप ले चुकी है और बच्चों तक को इसकी लत लग रही है। सुप्रिया श्रीनेत ने बुधवार को यहां प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्नाव के 17 वर्षीय आकाश का जिक्र कर कहा कि इस कफ सिरप की लत ने उसके जीवन को बर्बाद कर दिया। पहले पॉकेट मनी से खरीदने के बाद उसने घर का सामान और मां के जेवर तक बेच दिए, फिर चेन स्नैचिंग करने लगा। अब उसकी हालत गंभीर है। लीवर और किडनी खराब हो चुकी हैं, पेट में पानी भर गया है और लाखों रुपये इलाज में खर्च हो रहे हैं, लेकिन लत नहीं छूट रही। उन्होंने कहा कि 40-45 रुपये में मिलने वाला यह सिरप युवाओं को तेजी से नशे का शिकार बना रहा है। परिवार टूट रहे हैं और स्कूल-कॉलेज के कैंपस तक में नशा आसानी से उपलब्ध है। पहले चरस, गांजा और अफीम की चर्चा होती थी, अब कफ सिरप का नशा फैल रहा है और यह समस्या सिर्फ आकाश की नहीं बल्कि हजारों युवाओं की है। सुप्रिया श्रीनेत ने आरोप लगाया कि इस गोरखधंधे का सरगना वाराणसी का शुभम जायसवाल है, जिसने पिछले पांच साल में 500 करोड़ रुपये कमाए और उसका नेटवर्क यूपी, बिहार, पश्चिम बंगाल, बांग्लादेश और नेपाल तक फैला है।

लखनऊ कोर्ट ने राहुल,सोनिया-प्रियंका को भेजा नोटिस

5 जनवरी तक देना होगा जवाब,कांग्रेस नेता पर लगा है राष्ट्रद्रोह का आरोप

लखनऊ,24 दिसम्बर 2025। नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, सोनिया, प्रियंका और मल्लिकार्जुन खड़गे को लखनऊ की MP/MLA कोर्ट ने नोटिस जारी किया। राहुल के एक बयान पर लखनऊ के हजरतगंज थाने में केस दर्ज हुआ था। बुधवार को इसकी सुनवाई पर कोर्ट ने कहा- विवादित बयान को लेकर राहुल, सोनिया, प्रियंका और खड़गे 5 जनवरी 2026 को जवाब दाखिल करें। मामला दर्ज कराने वाले वकील नृपेन्द्र पांडेय ने कोर्ट को बताया- 15 जनवरी 2025 को नई दिल्ली स्थित कांग्रेस के नवनिर्मित मुख्यालय 'इंदिरा भवन' का उद्घाटन था। उस समय राहुल ने कहा था- वी आर नाउ फाइटिंग द बीजेपी,द आरएसएस एंड द इंडियन स्टेट इटसेल्फ । दावा है कि यह बयान भारत राष्ट्र और उसकी संवैधानिक व्यवस्था के खिलाफ है, जिसे जानबूझकर और सोच-समझकर दिया गया है। राहुल के खिलाफ राष्ट्रद्रोह का केस चलाने की मांग की गई है।

पुलिस पेशी के लिए कोर्ट ले जा रही थी... कुख्यात बदमाश पर गोलीबारी,अफरातफरी

हरिद्वार,24 दिसम्बर 2025। हरिद्वार जिले के लक्सर क्षेत्र में उस वक्त सनसनी फैल गई, जब पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई. यह घटना उस समय हुई,जब रुड़की जेल में बंद कुख्यात अपराधी विनय त्यागी को कड़ी सुरक्षा में लक्सर कोर्ट में पेशी के लिए ले जाया जा रहा था। जैसे ही पुलिस का काफिला लक्सर फ्लाईओवर के पास पहुंचा,वहां पहले से घात लगाए बैठे अज्ञात बाइक सवार बदमाशों ने अचानक फायरिंग शुरू कर दी। अचानक हुई गोलाबारी से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। बदमाशों की फायरिंग में कुख्यात अपराधी विनय त्यागी को गोली लग गई,जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं फायरिंग की चपेट में आने से पुलिस काफिले में शामिल दो कांस्टेबल भी जख्मी हो गए। घटना के वक्त स्पेशल वन पुलिस बल अपराधी को सुरक्षा में कोर्ट ले जा रहा था।

केंद्रीय कैबिनेट बैठक में बड़ा फैसला...

दिल्ली में 13 नए मेट्रो स्टेशन बनेंगे,दिल्ली-एनसीआर में नेटवर्क 400 किमी पार होगा

नई दिल्ली,24 दिसम्बर 2025। दिल्ली में बुधवार को केंद्रीय कैबिनेट की बैठक हुई। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि दिल्ली-एनसीआर में मेट्रो के विस्तार के दिल्ली मेट्रो के फेज 5ए को सरकार ने मंजूरी दी है। इसके लिए 12015 करोड़ की लागत आएगी। दिल्ली मेट्रो के फेज 5ए में 13 नए स्टेशन बनाए जाएंगे। 16 किमी की नई लाइन डाली जाएगी। इसके साथ ही दिल्ली-एनसीआर में मेट्रो का रूट 400 किमी के पार हो जाएगा। फेज-5एका निर्माण 3 साल में पूरा होगा। ज्यादातर काम अंडरग्राउंड होगा। वैष्णव ने बताया कि निर्माण में टनल बोरिंग मशीन का इस्तेमाल होगा, जिससे ट्रैफिक पर कम असर पड़ेगा। उन्होंने बताया कि दिल्ली मेट्रो में रोजाना औसतन 65 लाख लोग सफर करते हैं। पीक दिनों में यह संख्या 80 लाख तक पहुंच जाती है।

किन मार्गों का विस्तार किया जाएगा?

दिल्ली मेट्रो का विस्तार तुगलकाबाद से कालिंदी कुंज तक,रामकृष्ण आश्रम से इंद्रप्रस्थ तक और एयरोसिटी से टर्मिनल 1 तक किया जाएगा। दिल्ली मेट्रो के चरण 5ए परियोजना के तहत तीन नए कॉरिडोर बनाए गए हैं। आश्रम मार्ग से इंद्रप्रस्थ (9.913 किमी), एयरोसिटी से आईजीडी एयरपोर्ट टी-1 (2.263 किमी), तुगलकाबाद से कालिंदी कुंज (3.9 किमी)।

पीएम मोदी ने 'वीबी-जी राम जी' को सराहा

कहा...गांवों में रोजगार,संपत्ति के साथ अच्छी फसल मिलेगी,नया कानून MGNREGA की जगह लेगा

नई दिल्ली,24 दिसम्बर 2025। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को विकसित भारत गारंटी रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) एक्ट 2025 को सराहा। उन्होंने कहा कि यह कानून सिर्फ ग्रामीणों को मजदूरी देने तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे गांवों में काम के साथ-साथ स्थायी संपत्तियां बनेंगी, खेती को मजबूती मिलेगी और लंबे समय में ग्रामीण इलाकों की उत्पादकता बढ़ेगी।

पीएमह के मुताबिक, इस कानून को बनाने से पहले केंद्र सरकार ने राज्य सरकारों से बात की। इसके अलावा विशेषज्ञों के साथ तकनीकी बैठकों और अलग-अलग हितधारकों के साथ चर्चा भी की गई, ताकि सभी पहलुओं को ध्यान में रखा जा सके। वीबी-जी राम ज बिल संसद के शीतकालीन सत्र में विपक्ष के हंगामे और विरोध के बीच 18 दिसंबर को पास हुआ था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 21 दिसंबर को मंजूरी दी, इसके बाद यह कानून बना था। यह नया कानून MGNREGA की जगह लागू किया जाएगा। प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का एक आर्टिकल शेयर किया।

मोदी युग में भारत तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली,24 दिसम्बर 2025। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बीते एक दशक में भारत ने व्यापक आर्थिक सुधारों के जरिए अभूतपूर्व परिवर्तन का अनुभव किया है और आज देश विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के साथ-साथ सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है। उपराष्ट्रपति बुधवार को उपराष्ट्रपति निवास में सांसद प्रो. (डॉ.) सिकंदर कुमार द्वारा लिखित पुस्तक 'मोदी युग में भारत का आर्थिक सशक्तिकरण' के विमोचन अवसर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शी सोच, सशक्त नेतृत्व और परिवर्तनकारी आर्थिक नीतियों का सशक्त दस्तावेज है। राधाकृष्णन ने कहा कि बीते दस वर्षों में भारत ने न केवल आर्थिक मजबूती हासिल की है, बल्कि राष्ट्रीय आत्मविश्वास भी नई ऊंचाइयों पर पहुंचा है। उन्होंने बताया कि दिवाला एवं शोधन अक्षमता कानून, डिजिटल गवर्नेंस और पारदर्शी बैंकिंग व्यवस्था जैसे संरचनात्मक सुधार दशकों पुरानी अक्षमताओं और भ्रष्टाचार को खत्म करने की दिशा में निर्णायक कदम रहे हैं।

इसरो ने 6100किलोग्राम का अमेरिकी सैटेलाइट लॉन्च किया

भारत से भेजा गया यह सबसे भारी उपग्रह,धरती पर कहीं से भी वीडियो कॉल कर सकेंगे

श्रीहरिकोटा,24 दिसम्बर 2025। आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन ने बुधवार सुबह एलवीएम3-एम6 रॉकेट से अमेरिकी सैटेलाइट ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 लॉन्च किया। 6,100 किलोग्राम वजनी ब्लूबर्ड, भारत से लॉन्च किया गया अब तक का सबसे भारी सैटेलाइट है। इसरो चेयरमैन वी. नारायणन ने इसे देश के लिए बड़ी उपलब्धि बताया। इससे पहले, नवंबर में लॉन्च किया गया एलवीएम3-एम5 कम्युनिकेशन सैटेलाइट-03 करीब 4,400 किलोग्राम का था। इसे जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट में स्थापित किया गया था। ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 को जिस एलवीएम3-एम6 रॉकेट से लॉन्च किया गया, उसका वजन 640 टन है। यह भारत का सबसे भारी लॉन्च व्हीकल है। ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 नेक्स्ट-जेन कम्युनिकेशन सैटेलाइट है, जिसका मकसद सामान्य स्मार्टफोन तक सीधे हाई-स्पीड सेल्युलर ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी पहुंचाना है। इसके जरिए धरती पर कहीं से भी बिना टावर 4जी और 5जी वॉयस कॉल, वीडियो कॉल, मैसेजिंग, स्ट्रीमिंग और डेटा सेवाएं उपलब्ध होंगी। यह मिशन न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड और अमेरिका स्थित एएसटी स्पेसमोबाइल के बीच हुए एक कॉमर्शियल समझौते का हिस्सा है। न्यूस्पेस इंडिया, ढ्ढस्ह्र का कॉमर्शियल ब्रांच है। इसरो के मुताबिक, करीब 43.5 मीटर ऊंचा एलवीएम3-एम6 रॉकेट बुधवार सुबह 8:54 बजे श्रीहरिकोटा के दूसरे लॉन्च पैड से रवाना हुआ। लगभग 15 मिनट की उड़ान के बाद ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 सैटेलाइट रॉकेट से अलग हुआ और करीब 520किलोमीटर ऊपर अंतरिक्ष के लो अर्थ ऑर्बिट में उसे सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया। रॉकेट को 90 सेकेंड देरी से, सुबह 8:55:30 लॉन्च किया गया था। इसे पहले सुबह 8:54 बजे लॉन्च किया जाना था।

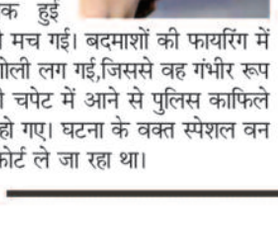

नौकरी से निकालो,वरना दफ्तर में आग लगा देंगे,बांग्लादेश में मीडिया चैनल को धमकी

ढाका,24 दिसम्बर 2025। बांग्लादेश में छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की मौत के बाद उपजे हिंसा के बीच स्वतंत्र मीडिया पर हमले और धमकियां जारी हैं। हाल ही में प्रोथोम आलो और द डेली स्टार के कार्यालयों में आगजनी के बाद अब प्राइवेट टीवी चैनल ग्लोबल टीवी बांग्लादेश को धमकी मिली है। 21 दिसंबर को कुछ युवकों का समूह चैनल के तेजगांव स्थित ऑफिस पहुंचा और न्यूज हेड नाजनीन मुन्नी को नौकरी से हटाने की मांग की। युवकों ने खुद को एंटी-डिस्क्रिमिनेशन स्टूडेंट मूवमेंट के सदस्य बताया और चेतावनी दी कि यदि मुन्नी को नहीं हटाया गया तो ऑफिस को प्रोथोम आलो व द डेली स्टार की तरह आग लगा दी जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि नाजनीन मुन्नी अवामी लीग समर्थक हैं और हादी की मौत की कवरेज पर्याप्त नहीं की गई। चैनल के मैनेजिंग डायरेक्टर अहमद हुसैन ने धमकी की पुष्टि की, लेकिन मुन्नी को हटाने से इनकार कर दिया। नाजनीन मुन्नी ने फेसबुक पोस्ट में घटना का विवरण साझा किया। उन्होंने लिखा कि 7-8 लोग आए और कहा, 'अगर मैं नौकरी नहीं छोड़ती तो ऑफिस जला देंगे।'

CMYK

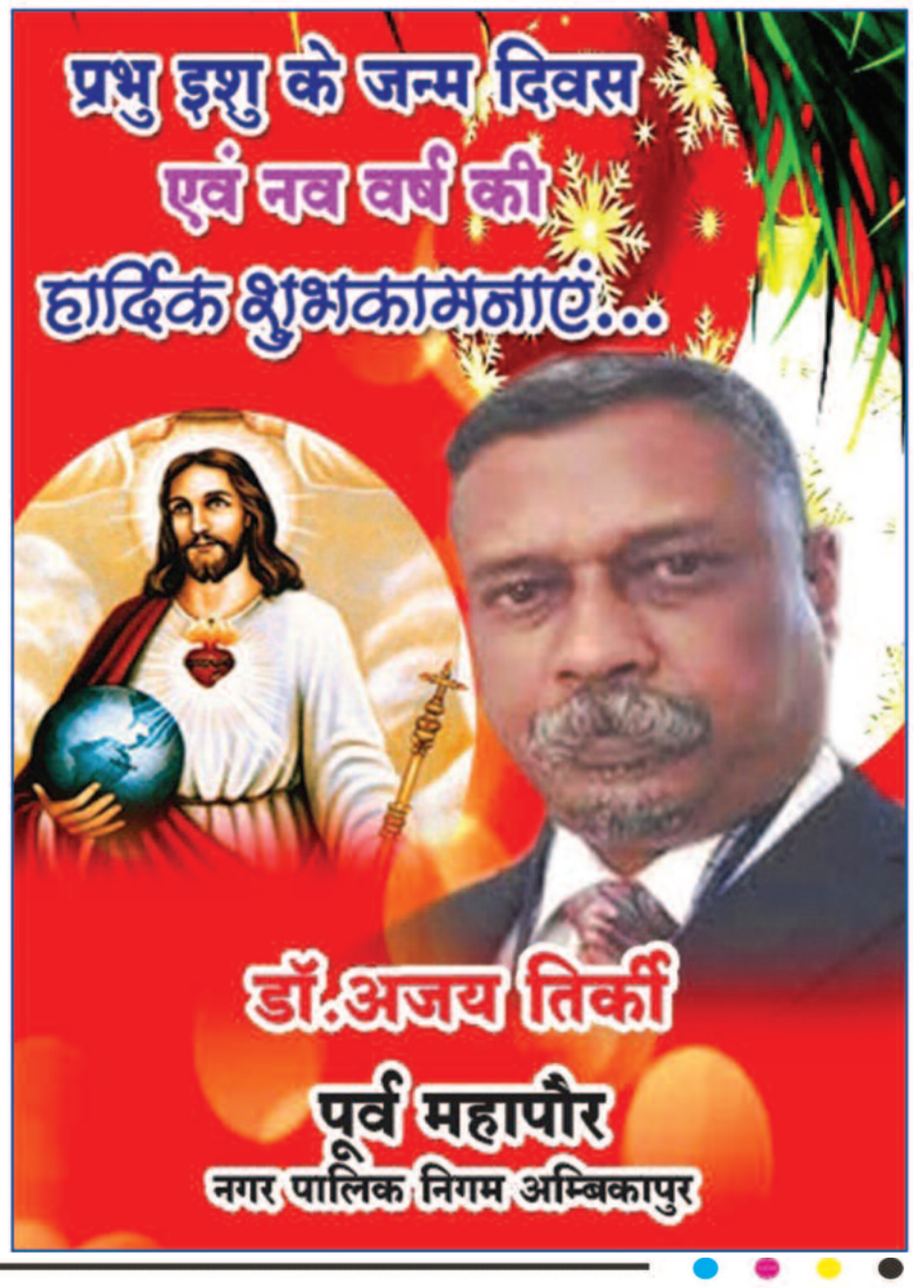

संपादकीय

बांग्लादेश संकट पर चुप न बैठे भारत

अल्पसंख्यकों पर इंसानियत का सवाल, उठा सकता है ये बड़े कदम

बांग्लादेश से आ रही खबरें चिंताजनक हैं। वहां हिंदू समुदाय पर हमले बढ़ रहे हैं। मंदिरों पर पथराव और घरों में आगजनी जैसी घटनाएं हो रही हैं। भारत सरकार ने इन घटनाओं पर चिंता जताई है। भारत को इस मामले में कूटनीतिक कदम उठाने की आवश्यकता है। संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर यह मुद्दा उठाया जाना चाहिए।

बांग्लादेश से आ रही खबरें दिल दहला देने वाली हैं। शेख हसीना सरकार के पतन के बाद सत्ता की बागडोर संभालने वाले मुहम्मद यूनुस बुरी तरह नाकाम हुए हैं। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हमले थमने का नाम नहीं ले रहे। मंदिरों पर पथराव, घरों में आगजनी,महिलाओं पर अत्याचार-ये घटनाएं अब रोजमर्रा की हकीकत बन चुकी हैं। ऐसे में सवाल है कि भारत को क्या करना चाहिए। यह संकट नया नहीं है। 1947 के बंटवारे के समय बंगाल के पूर्वी हिस्से में हिंदू अल्पसंख्यक सुरक्षित थे,लेकिन पाकिस्तान बनने के बाद उत्पीड़न शुरू हो गया। 1971 के युद्ध में भारत ने 93,000 पाकिस्तानी सैनिकों को हराकर बांग्लादेश को आजादी दिलाई। इंदिरा गांधी की दूरदर्शिता ने करोड़ों हिंदुओं को बचाया। लेकिन, आजादी के बाद की सरकारों ने हिंदुओं को अधिकारों से वंचित रखा। वक्फ कानून के तहत उनकी जमीनें हड़पी गईं। आंकड़े बताते हैं कि बांग्लादेश में हिंदू आबादी कभी 22 प्रतिशत थी,जो आज घटकर महज 8 प्रतिशत रह गई है। 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के बाद भी इस समुदाय पर अत्याचार जारी रहा। शेख हसीना ने कुछ सुरक्षा दी,लेकिन उनके खिलाफ भड़के आक्रोश ने अल्पसंख्यकों को और असुरक्षित कर दिया है। आज वहां कट्टरपंथी ताकतें हावी हैं। बांग्लादेश हिंदू बौद्ध क्रिश्चियन एकता परिषद के अनुसार,अगस्त 2024 से नवंबर 2025 तक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की 2,010 से अधिक घटनाएं दर्ज की गईं। आईएसआईएस से प्रेरित कट्टरपंथी समूह जैसे हिज्ब-उत-तहरीर और जमात-ए-इस्लामी खुले तौर पर सक्रिय हैं। यूनुस सरकार ने कुछ बयान जारी किए, लेकिन कार्रवाई नगण्य है। नोबेल विजेता यूनुस खुद विवादों में हैं। उनके ग्रामीण बैंक पर हिंदू संपत्ति हड़पने के आरोप लगे हैं। ऐसे में हिंदू समुदाय पलायन कर रहा है। पिछले हफ्ते हिंदू युवक दीपू चंद्रा दास की निर्मम हत्या बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंसा की भयावह तस्वीर पेश करती है।

बांग्लादेश के हालात को लेकर पूरी दुनिया चिंता जता रही है। भारत में भी चिंताएं हैं और वजह वाजिब है। हमारी सीमाएं लगती हैं। उधर की अस्थिरता इधर असर डालती है। ढाका में जिस तरह से भारतीय उच्चायोग के बाहर विरोध प्रदर्शन हुए,भारत के खिलाफ जिस तरह की बयानबाजी की जा रही है-उससे जाहिर होता है कि बांग्लादेश में हालात हाथ से निकल चुके हैं। यूनुस सरकार का कट्टरपंथियों पर कोई नियंत्रण नहीं है।

भारत ने अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों पर गहरी चिंता जताई है। विदेश मंत्रालय ने दीपू के हत्यारों को सजा दिलाने की मांग की है। वैसे कुल मिलाकर सरकार की प्रतिक्रिया बेहद संतुलित और संयमित है। नई दिल्ली में बांग्लादेश उच्चायोग के बाहर 20-25 युवाओं ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया, तो विदेश मंत्रालय ने इसे भी स्पष्ट कर दिया। लेकिन,अब मांग उठ रही है कि समय कूटनीति से आगे बढ़ने का है।

अरावली की चिन्ता:नारे से आगे,अस्तित्व की लड़ाई

ललित गर्ग
पटपड़गंज,दिल्ली-92

अरावली पर्वत श्रृंखला की नई परिभाषा को लेकर उठा विवाद अब जन-आन्दोलन का रूप ले रहा है। इसी के अन्तर्गत अरावली बचाओ की चिन्ता-यह केवल भावनात्मक आह्वान नहीं,बल्कि भारत के पर्यावरणीय भविष्य की जीवनरेखा है। गुजरात से लेकर दिल्ली तक फैली अरावली पर्वतमाला पृथ्वी की प्राचीनतम पर्वत श्रृंखलाओं में से एक है। यह पर्वत केवल पत्थरों का ढेर नहीं,बल्कि जल-जंगल,जैव-विविधता,जलवायु संतुलन और मानव जीवन के लिए एक प्राकृतिक कवच है। आज जब खनन,शहरीकरण और विकास की आड़ में इस पर्वतमाला को टुकड़ों में बांटने की कोशिशें हो रही हैं,तब यह प्रश्न केवल पर्यावरण का नहीं,बल्कि मनुष्य जाति के अस्तित्व का बन गया है। हमें उम्मीद करनी चाहिए कि अरावली को लेकर सरकारों की चिन्ता व्यर्थ न जाये,कोई सकारात्मक रंग लाए। पहाड़ी इलाकों के खनन,उपेक्षा एवं लोभवृत्ति पर विचार करना होगा। इसमें कोई संदेह नहीं है कि सरकारों की उपेक्षा की वजह से अरावली के बड़े हिस्से का खनन ही नहीं हुआ, आमजन एवं प्रकृति-पर्यावरण रक्षा का यह कवच ध्वस्त भी हुआ है।

अरावली की आयु भूगर्भीय दृष्टि से करोड़ों वर्षों में आंकी जाती है। यह हिमालय से भी पुरानी है। यही कारण है कि अरावली का स्वरूप अपेक्षाकृत निचला और क्षरित दिखाई देता है, किंतु इसका महत्व कहीं अधिक गहरा है। राजस्थान,हरियाणा,गुजरात और दिल्ली के बड़े हिस्सों में वर्षा जल का संचयन,भूजल रिचार्ज और मरुस्थली करण पर नियंत्रण अरावली के कारण ही संभव है। थार मरुस्थल को पूर्व की ओर बढ़ने से रोकने में अरावली की भूमिका किसी अदृश्य दीवार की तरह है। आज के समय में पर्यावरणीय संकट बहुआयामी हो चुका है-जल संकट,वायु प्रदूषण,जैव-विविधता का क्षय,जलवायु परिवर्तन और अनियंत्रित शहरी विस्तार। इन सभी चुनौतियों का एक साझा समाधान अरावली जैसी प्राकृतिक संरचनाओं का संरक्षण है। दुर्भाग्यवश,खनन और निर्माण गतिविधियों ने इस पर्वतमाला को गहरे घाव दिए हैं। पत्थर,संगमरमर और अन्य खनिजों के लिए की जा रही अंधाधुंध खुदाई ने न केवल पहाड़ों को खोखला किया है,बल्कि आसपास के गांवों, नदियों और जंगलों को भी संकट में डाल दिया है। लगातार संकट से घिर रही अरावली को बचाने के लिये एक याचिका 1985 से न्यायालय में विचाराधीन है। हालांकि इस याचिका का ही नतीजा है कि अरावली का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा संरक्षित श्रेणी में आता है। वैसे अब समय आ गया है कि अरावली को पूरी तरह से खनन-मुक्त रखने का फैसला किया जाये। अब भी खनन जारी रहा तो उससे होने वाले लाभ से कई गुणा ज्यादा कीमत हमें पर्यावरण के मोर्चे पर चुकानी पड़ेगी। सुप्रीम कोर्ट ने समय-समय पर अरावली के संरक्षण को लेकर गंभीर टिप्पणियां की हैं। न्यायालय का दृष्टिकोण स्पष्ट रहा है कि पर्यावरणीय संतुलन को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों पर रोक लगनी चाहिए और विकास के नाम पर प्रकृति के विनाश को वैधता नहीं दी जा सकती। इसके बावजूद, विभिन्न स्तरों पर नियमों की व्याख्या और पुर्नव्याख्या के जरिए खनन को अनुमति देने के प्रयास होते रहे हैं। विशेष रूप से 100 मीटर ऊंचाई जैसे मानदंडों के आधार पर पर्वतों को परिभाषित करना और उससे नीचे की संरचनाओं को खनन योग्य मानना एक खतरनाक प्रवृत्ति है। यह तर्क न केवल वैज्ञानिक दृष्टि से कमजोर है, बल्कि पर्यावरणीय समझ के भी विपरीत है। खनन की वजह से अरावली की छलनी हो चुकी है। पर्वत केवल ऊंचाई से नहीं पहचाने जाते, बल्कि उनके भूगर्भीय ढांचे,जल धारण क्षमता और पारिस्थितिकी तंत्र से उनकी पहचान होती है। 100 मीटर से कम ऊंचाई वाले पहाड़ भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं,जितने ऊंचे पर्वत। यदि इस तर्क को स्वीकार कर लिया जाए, तो धीरे-धीरे पूरी अरावली को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर समाप्त किया जा सकता है। यह दृष्टिकोण अल्प कालिक आर्थिक लाभ को दीर्घकालिक पर्यावरणीय सुरक्षा से ऊपर रखता है। राजस्थान सरकार की कुछ पहलें संरक्षण की दिशा में सराहनीय कही जा सकती हैं, जैसे वन क्षेत्रों की अधिसूचना,अवैध खनन पर कार्रवाई और पर्यावरणीय स्वीकृतियों की सख्ती। किंतु इन प्रयासों के समानांतर ऐसी नीतिगत ढील भी दिखाई देती है,जो खनन और रियल एस्टेट गतिविधियों को बढ़ावा देती हैं। केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत तथ्यों और आंकड़ों के आधार पर यह तर्क दिया जाता है कि नियंत्रित खनन से विकास संभव है। परंतु अनुभव बताता है कि नियंत्रित शब्द व्यवहार में अक्सर अर्थहीन हो जाता है। भले ही वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव स्पष्टीकरण दे रहे हैं कि सिर्फ 277 वर्ग किमी में ही खनन की अनुमति है। उन्होंने आश्वस्त किया है कि नई परिभाषा से खनन बढ़ेगा नहीं, बल्कि अवैध खनन रूकेगा।

विकास और पर्यावरण को आमने-सामने खड़ा करना एक पुरानी भूल है। सच्चा विकास वही है जो प्रकृति के साथ सामंजस्य बैठाकर हो। अरावली का संरक्षण विकास विरोधी कदम नहीं,बल्कि दीर्घकालिक विकास की शर्त है। जिन क्षेत्रों में अरावली को नुकसान पहुंचा है,वहां जल स्तर गिरा है, तापमान बढ़ा है और जैव-विविधता घट गई है। दिल्ली-एनसीआर की जहरीली हवा और जल संकट में अरावली के क्षरण की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अरावली में वन्यजीव लगभग खत्म होने को है। खनन के विकल्प पर विचार करना होगा। खनन मुख्यत पत्थर के लिये होता है और पत्थरों से सुन्दर घर बनाने की परम्परा सदियों से चली आ रही है, इस परम्परा पर नये सिरे से चिन्तन करने की अपेक्षा है। घर या इमारत बनाने के दूसरे संसाधन पर सोचना होगा। जिनसे मकान तो बहुत बन जायेंगे,पर कटने वाले पहाड़ फिर कभी खड़े नहीं होंगे। पर्यावरण एवं प्रकृति रक्षक ये पहाड़ कहां से लायेंगे? सर्वोच्च न्यायालय ने अरावली के साथ-ही-साथ उत्तरा खण्ड में भी जंगलों में हो रहे अतिक्रमण के खिलाफ चिन्ता का इजहार किया है। लेकिन अदालतों के साथ सरकारों को भी पर्यावरण,प्रकृति,पहाड़, पहाड़ी जंगलों एवं वन्यजीवों पर कड़ा रुख अपनाना होगा और इन्हें सर्वोच्च प्राथमिकता में रखना होगा।

तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो विश्व के अनेक देशों ने अपनी प्राचीन पर्वत मालाओं और प्राकृतिक संरचनाओं को राष्ट्रीय धरोहर के रूप में संरक्षित किया है। यूरोप में आल्प्स,अमेरिका में रॉकी पर्वत और चीन में पीली नदी के बेसिन क्षेत्र इसके उदाहरण हैं। इन क्षेत्रों में खनन और निर्माण पर कठोर नियंत्रण है, क्योंकि वहां यह समझ विकसित हो चुकी है कि प्रकृति की कीमत पर आर्थिक समृद्धि टिकाऊ नहीं होती। भारत में भी इस सोच को अपनाने की आवश्यकता है। अरावली केवल जल का स्रोत नहीं है;यह जैव-विविधता का आश्रय है। यहां पाए जाने वाले वनस्पति और जीव-जंतु पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जंगलों की कटाई और पहाड़ों की खुदाई से वन्यजीवों का आवास नष्ट होता है, जिससे मानव-वन्यजीव संघर्ष बढ़ता है। यह समस्या केवल पर्यावरणीय नहीं,सामाजिक भी है।

आज देशभर में अरावली के संरक्षण को लेकर आंदोलन हो रहे हैं। ये आंदोलन इस बात का संकेत हैं कि समाज अब खामोश नहीं रहना चाहता। नागरिकों,पर्यावरणविदों,न्यायपालिका और नीति-निर्माताओं के बीच संवाद आवश्यक है। यह समय भावनात्मक नारों से आगे बढ़कर ठोस नीतिगत निर्णय लेने का है-खनन पर पूर्ण प्रतिबंध,पुनर्वनीकरण,जल संरक्षण परियोजनाएं और स्थानीय समुदायों की भागीदारी। बीज अगर आज प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण के प्यार का बोए जाएंगे, तो कल स्वच्छ हवा, पर्याप्त जल और सुरक्षित भविष्य का फल मिलेगा। अरावली बचेगी तो भारत खुशहाल रहेगा,यह केवल कविता की पंक्ति नहीं, बल्कि एक वैज्ञानिक सत्य है। धरती मां की रक्षा करना हमारा अधिकार ही नहीं, कर्तव्य भी है। यदि आज हमने लालच को प्राथमिकता दी, तो आने वाली पीढ़ियां हमें माफ नहीं करेंगी। अंततः, अरावली का सवाल केवल एक पर्वतमाला का नहीं, बल्कि उस सोच का है जो विकास को विनाश से अलग देखती है। इतिहास उन्हीं समाजों को याद रखता है, जिन्होंने प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर प्रगति की। आइए, हम भी वही इतिहास लिखें, जहां हर आवाज शोर बने और अरावली के साथ जीवन भी भरपूर सुनिश्चित हो।

सरकारी स्कूल और शिक्षा व्यवस्था की सड़ांध

हरियाणा में शिक्षा सुधार के दावे जितने ऊँचे हैं,जमीनी हकीकत उतनी ही कड़वी है। पंचकूला के सरकारी स्कूल में राज्यपाल के निरीक्षण के दौरान उजागर हुई बदहाली बताती है कि समस्या किसी एक विद्यालय की नहीं,पूरे तंत्र की है। गंदे शौचालय,पानी का अभाव और जर्जर ढाँचा बच्चों के स्वास्थ्य व सम्मान पर सीधा आघात हैं। करोड़ों के बजट और योजनाओं के बावजूद बुनियादी सुविधाएँ न मिलना प्रशासनिक विफलता का प्रमाण है। यदि अब भी जवाबदेही तय नहीं हुई,तो हरियाणा का भविष्य भी इन्हीं बदहाल स्कूलों जैसा बनता जाएगा...

डॉ सत्यवान सौरभ
बड़वा भिवानी,हरियाणा

हरियाणा,जो अपने को खेल,सैनिक परंपरा और विकास के दावों के लिए जाना जाता है, वहाँ के सरकारी स्कूलों की जमीनी सच्चाई अक्सर इन दावों से उलट दिखाई देती है। पंचकूला स्थित राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक विद्यालय में राज्यपाल प्रो. असीम घोष के निरीक्षण के दौरान सामने आई तस्वीर केवल एक स्कूल की कहानी नहीं है,बल्कि यह हरियाणा की शिक्षा व्यवस्था की उस सच्चाई को उजागर करती है,जिसे वर्षों से फाइलों और आंकड़ों के पीछे छिपाया जाता रहा है। जब किसी राज्य के राज्यपाल को स्कूल के शौचालयों की दुर्गंध से नाक ढकनी पड़े,तो यह घटना केवल असहजता नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम पर लगे प्रश्नचिह्न की तरह देखी जानी चाहिए। हरियाणा सरकार पिछले कुछ वर्षों से मॉडल संस्कृति स्कूल,स्मार्ट स्कूल और डिजिटल क्लासरूम जैसे शब्दों के साथ शिक्षा के आधुनिकीकरण के दावे करती रही है। बजट भाषणों में स्कूलों के लिए करोड़ों रुपये की घोषणाएँ होती हैं,नई योजनाओं के पोस्टर लगते हैं और उद्घाटन समारोहों में विकास की तस्वीर पेश की जाती है। लेकिन पंचकूला का यह विद्यालय बताता है कि काग़ज़ों पर चल रहा विकास ज़मीन पर दम तोड़ रहा है। शौचालयों में पानी नहीं, दरवाज़े टूटे हुए हैं और बुनियादी ढाँचा इस कदर जर्जर है कि कर्मचारियों को सीढ़ियों के अभाव में जुगाड़ से छत पर चढ़ना पड़ता है। यह स्थिति एक दिन में पैदा नहीं हुई। यह वर्षों की प्रशासनिक लापरवाही, निरीक्षण तंत्र की विफलता और जवाबदेही के अभाव का परिणाम है। हरियाणा में शिक्षा विभाग की एक पूरी संरचना है–ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी,इंजीनियरिंग विंग,निरीक्षण समितियाँ और स्कूल प्रबंधन समितियाँ। सवाल यह है कि जब तक राज्यपाल नहीं आए,तब तक किसी को यह दुर्गंध क्यों नहीं आई। क्या ये सभी अधिकारी अंधे थे,या फिर उन्होंने सब कुछ देखकर भी अनदेखा करने को ही अपनी प्रशासनिक संस्कृति बना लिया है।

हरियाणा जैसे राज्य में,जहाँ ग्रामीण और शहरी शिक्षा के बीच पहले से ही गहरी खाई है, सरकारी स्कूलों की यह हालत सामाजिक असमानता को और गहरा करती है। जिन परिवारों के पास संसाधन हैं,वे अपने बच्चों को निजी स्कूलों में भेज देते हैं। लेकिन जिनके पास विकल्प नहीं,उनके बच्चे इन्हीं स्कूलों में पढ़ने को मजबूर हैं। ऐसे में गंदे शौचालय,टूटी इमारतें और असुरक्षित वातावरण केवल अव्यवस्था नहीं,बल्कि

सामाजिक अन्याय का रूप ले लेते हैं। शौचालयों की बदहाली को अक्सर एक मामूली समस्या समझ लिया जाता है, लेकिन वास्तव में यह शिक्षा की गुणवत्ता से सीधे जुड़ा हुआ मुद्दा है। विशेषकर हरियाणा में,जहाँ बालिकाओं की शिक्षा और ड्रॉपआउट दर पहले से ही चिंता का विषय रही है,स्वच्छ और सुरक्षित शौचालयों का अभाव लड़कियों को स्कूल से दूर करने का बड़ा कारण बनता है। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसे अभियानों की सार्थकता तब सवालों के घेरे में आ जाती है, जब स्कूलों में बेटियों के लिए बुनियादी सुविधाएँ तक उपलब्ध नहीं होतीं। राज्यपाल का आक्रोश स्वाभाविक था और उन्होंने तत्काल सुधार के निर्देश भी दिए। लेकिन हरियाणा का अनुभव बताता है कि ऐसे निर्देश अक्सर तात्कालिक सफ़ाई और लीपापोती तक सीमित रह जाते हैं। कुछ दिनों तक शौचालय चमकते हैं,टूटे दरवाज़े अस्थायी रूप से ठीक कर दिए जाते हैं और फिर सब कुछ पहले जैसा हो जाता है। यदि इस मामले में भी दोषी अधिकारियों की पहचान कर उनके खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं हुई, तो यह घटना भी बाकी निरीक्षणों की तरह फाइलों में दफन हो जाएगी।

हरियाणा सरकार शिक्षा पर होने वाले खर्च को अपनी उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत करती है। लेकिन खर्च और परिणाम के बीच का अंतर लगातार बढ़ता जा रहा है। सवाल उठता है कि पैसा आखिर जा कहाँ रहा है। क्या निर्माण कार्यों में घटिया सामग्री का इस्तेमाल हो रहा है, क्या ठेकेदारी व्यवस्था में भ्रष्टाचार है,या फिर निगरानी का तंत्र पूरी तरह से ढीला पड़ चुका है। जब तक इन सवालों का ईमानदारी से जवाब नहीं खोजा जाएगा, तब तक किसी भी नई योजना से वास्तविक सुधार की उम्मीद करना व्यर्थ है। इस पूरे प्रकरण में समाज की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। हरियाणा में अभिभावक, पंचायतें और स्थानीय जनप्रतिनिधि अक्सर तब तक चुप रहते हैं,जब तक मामला मीडिया में नहीं आ जाता। स्कूल प्रबंधन समितियाँ काग़ज़ों में तो हैं, लेकिन उन्हें न तो पर्याप्त अधिकार दिए गए हैं और न ही उनकी बात को गंभीरता से लिया जाता है। यदि स्थानीय समुदाय स्कूलों की निगरानी में सक्रिय भूमिका निभाए, तो ऐसी बदहाली को वर्षों तक छिपाए रखना संभव नहीं होगा। यह भी ध्यान देने की ज़रूरत है कि हरियाणा के सरकारी स्कूल केवल शिक्षा के केंद्र नहीं,बल्कि ग्रामीण और पिछड़े इलाकों में बच्चों के लिए सुरक्षा,पोषण और सामाजिक समावेशन का माध्यम भी हैं। मध्याह्न भोजन योजना,स्वास्थ्य जांच और छात्रवृत्तियाँ इन्हीं स्कूलों के ज़रिये पहुँचती हैं। जब स्कूल का माहौल ही असुरक्षित और अपमानजनक हो, तो इन योजनाओं का उद्देश्य भी कमजोर पड़ जाता है। इस घटना को हरियाणा के संदर्भ में एक चेतावनी के रूप में लिया जाना चाहिए। सुधार केवल आदेश जारी करने से नहीं होगा। ज़रूरत है कि स्कूलों के बुनियादी ढाँचे का नियमित स्वतंत्र ऑडिट कराया जाए,निर्माण और रखरखाव से जुड़े ठेकों की पारदर्शी जांच हो,और जिन अधिकारियों ने लापरवाही बरती है,उनके खिलाफ उदाहरणात्मक कार्रवाई की जाए। साथ ही, स्कूल प्रबंधन समितियों और पंचायतों को वास्तविक अधिकार देकर उन्हें जवाबदेही का हिस्सा बनाया जाए।

हरियाणा की पहचान मेहनती किसानों, सैनिकों और खिलाड़ियों की भूमि के रूप में रही है। यह राज्य तभी अपनी उस पहचान को कायम रख सकता है,जब उसकी अगली पीढ़ी को सम्मानजनक और सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण मिले। बदबूदार शौचालय,टूटे दरवाज़े और जर्जर भवन किसी भी विकसित राज्य की पहचान नहीं हो सकते। राज्यपाल का रूमाल इस बात का प्रतीक बन गया है कि अब स्थिति छिपाने लायक नहीं रही। यह हरियाणा सरकार,प्रशासन और समाज–तीनों के लिए आत्ममंथन का क्षण है। यदि इस घटना से सबक लेकर ठोस और स्थायी सुधार किए गए,तो यह निरीक्षण एक सकारात्मक मोड़ साबित हो सकता है। लेकिन यदि इसे भी कुछ दिनों की चर्चा के बाद भुला दिया गया,तो यह बदहाली हरियाणा के भविष्य को भी उसी तरह प्रभावित करेगी, जैसे वह आज उसके स्कूलों को कर रही है।

अंततः सवाल यही है कि क्या हरियाणा अपने बच्चों को केवल नारों और योजनाओं में मॉडल बनाना चाहता है,या वास्तव में उन्हें एक ऐसा स्कूल देना चाहता है,जहाँ स्वच्छता, सुरक्षा और सम्मान बुनियादी अधिकार हों। शिक्षा की असली कसौटी यही है,और इसी पर राज्य का भविष्य टिका हुआ है।

कविता

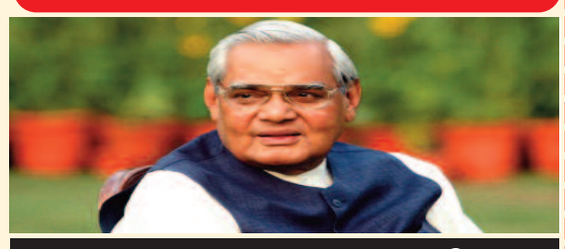

भारत-रत्न अटल जी

राज किशोर वाजपेयी अभय
ग्वालियर, मध्यप्रदेश

जो काल के कपाल पर
लिखकर मिटाते थे।
राष्ट्र-प्रगति के देख स्वप्न
हो प्रसन्न गीत नए गाते थे।।
जन्मे ग्वालियर में
शिक्षा ग्वालियर,कानपुर मे।
ओजस्वी काव्य रचे,
बचपन से ही अपने भाषणों से सबको रिझाते थे।।
एक ही जन्म में जी लेते,
जो कई कई जन्मों को।
कवि,पत्रकार,संगठनकर्ता,प्रधानमंत्री
बन,सबको खुशियाँ दिलाते थे।
यू एन ओ में हिंदी में भाषण दे
गौरव राष्ट्र में भर जाते थे।।
छोटे मन से कोई बड़ा नहीं होता
कह, लोकतंत्री सबको बनाते थे।
चिंगारी का खेल बुरा होता है
यह बात पड़ोसी को समझाते थे।।
टूटे हुए सपनों की कौन सुने सिसकी
बोल,सोए हुए भाव मनुज के जगाते थे।
सर्वशिक्षा अभियान चला,
शिक्षित भारत को कराते थे।
पोखरण-2 का परमाणु-विस्फोट कर
शक्ति, भारत की विश्व को दिखाते थे।।
स्वर्णिम -चतुर्भुज का सृजन कर,
भारत को जोड़ने का भाव रचाते थे।।
मतभेद को स्वीकार कर, मतभेद को नकार कर,
आपात-काल का विरोध कर,
जेल चले जाते थे।
राष्ट्र और समय की माँग पर
जनसंघ को विसर्जित कर,
जे पी के छाया तले
जनता-पार्टी बनाते थे।
संघ के संस्कार से,हिन्दुत्व का आधार ले
हिन्दू तन-मन हिन्दु जीवन
का,गीत रच सुनाते थे।
दल में सदा रहे पर दूर रहे दलदल से
कीचड़ में कमल खिला
उपवन राष्ट्र का सजाते थे।
अजातशत्रु थे सदा,वाणी-पुत्र सर्वदा
विरोधी भी दिल से उनको
अपना बताते थे।
ओज वाणी में सदा,
निष्ठा रही जीवन में,
देश हित मे सदा विरोध को भुलाते थे।।
जन जन के दुलारे रहे,देश को संवारें रहे,
गठबंधन सरकार को भी बखूबी चलाते थे।
भारत-माँ के ऐसे अमर लाल ही
अटल बिहारी कहलाते थे।।

अपने लक्ष्यों को बड़ा सोचो और उन्हें पाने के लिए दृढ़ संकल्प रखो।
नेल्सन मंडेला

सूचना
समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

आवश्यक चुनाव सुधारों की प्रतीक्षा

एसआईआर प्रक्रिया तक सीमित रहना निराशाजनक

हृदयनारायण दीक्षित

संसदीय जनतंत्र की सारी कार्रवाई दलतंत्र से होती है। निष्पक्ष चुनाव जनतंत्र का आत्मा है। जनतंत्र की सफलता का दारोमदार दलतंत्र पर है। आदर्श चुनाव प्रक्रिया से ही कार्यपालिका और विधायिका बनती है। इसी चुनावी प्रक्रिया में लोग जनप्रतिनिधि चुनते हैं,पर चुनाव में धनबल और माफिया की भी भागीदारी है। इसलिए चुनाव आदर्श तरीके से नहीं हो पाते। निष्पक्ष चुनाव कराना निर्वाचन आयोग का संवैधानिक कर्तव्य (अनुच्छेद 324) है। मतदाता सूची तैयार करने और चुनाव कराने की जिम्मेदारी भी आयोग की ही है। सभी मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में सुनिश्चित करने के लिए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) अभियान जारी है,पर इसे लेकर विपक्ष अकारण वोट चोरी का आरोप लगा रहा है।

विपक्ष और उसके नेता निर्वाचन आयोग के अधीन हुए चुनाव में दो सीटों से चुनाव लड़े थे। वोट चोरी होती तो विपक्ष की भारी संख्या में सीटें न होतीं। संसद के बीते सत्र में चुनाव सुधारों पर बहस अवश्य हुई, लेकिन वह वास्तविक सुधारों को लेकर नहीं हुई। सारा ध्यान एसआइआर पर रहा। यह समझा जाना चाहिए कि चुनाव सुधारों की गति धीमी है। आदर्श चुनाव आचार संहिता 1967 में बनी थी। आचार संहिता का पालन सबका कर्तव्य है, मगर चुनाव अभियानों में अधिकांश दल आचार संहिता तो ते हैं। जनतंत्र में जन गण मन अपने भाग्य विधाता चुनते हैं, लेकिन चुनाव प्रक्रिया बाहुबल और धनबल के द्वारा सत्ता प्राप्ति का खेल बन गई है। राजनीतिक दल इस खेल में मुख्य खिलाड़ी हैं। दल अपने नियमित संचालन पर करोड़ों रुपये खर्च करते हैं,लेकिन विचार और कार्यकर्ता आधारित संगठन नहीं बनाते। चुनाव नजदीक आते ही जिताऊ प्रत्याशी की खोज शुरू हो जाती है। धनबल के दुरुपयोग होते हैं। खर्चीली रैलियां,होटल,वाहन और सैकड़ों चार्टर्ड विमान और आकाश में उड़ते हेलिकाप्टर चकित करते हैं। आखिरकार यह धन कहां से आता है? अधिकांश दल चुनाव में माफिया और धनबल का इस्तेमाल करते हैं। माफिया को टिकट देते हैं। अधिकांश दल पैसे वाले प्रत्याशी के साथ बाहुबली पर भी दांव लगाते हैं।

सर्व समाज ने छत्तीसगढ़ बंद का आह्वान...कांकेर हिंसा और धर्मांतरण के खिलाफ कलेक्टोरेट में ज्ञापन सौंपा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,24 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

कांकेर जिले के आमाबेड़ा क्षेत्र में हाल ही में हुई हिंसा और कथित धर्मांतरण की घटनाओं के विरोध में सर्व समाज ने छत्तीसगढ़ बंद का आह्वान किया, जिसका असर सरगुजा जिले में मिलाजुला रहा। सुबह से सर्व समाज के पदाधिकारियों ने अंबिकापुर शहर में दुकानों को बंद कराया, हालांकि दोपहर बाद व्यापारियों ने दुकानों के शटर खोल दिए। व्यापारियों का कहना था कि क्रिसमस के समय दुकानों के बंद होने से उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। वहीं, ग्रामीण क्षेत्रों में सामान्य रूप से दुकानें खुली रहीं।

सर्व समाज ने गांधी चौक स्थित डाटा सेंटर के सामने सभा का आयोजन किया, जिसमें प्रमुख वक्ता अजय इंगोले ने कहा कि धर्मांतरण की घटनाएं हिन्दू समाज और हमारी संस्कृति पर सीधा हमला हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सीधे-साधे जनजातीय समाज को प्रलोभन देकर धर्मांतरण कराया जा रहा है, जो सामाजिक समरसता को बिगाडने की कोशिश है। इंगोले ने इस मुद्दे पर सर्व समाज के सदस्यों से एकजुट होकर विरोध करने की अपील की और कहा कि इस तरह की घटनाओं को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सभा के बाद सर्व समाज ने कलेक्टोरेट तक रैली निकाली, जहां उन्होंने मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में सर्व समाज ने आरोप लगाया कि कांकेर जिले के आमाबेड़ा क्षेत्र में ईसाई मिशनरी समूहों और भीम आर्मी के तत्वों ने जनजातीय समाज पर हमले किए, शवों को जबरन दफन किया और सामाजिक सौहार्द को बिगाडने की कोशिश की। सर्व समाज ने इसे गंभीर रूप से लिया और प्रदेशव्यापी बंद का आयोजन किया था, जिसमें बड़ी संख्या में नागरिक और जनजातीय प्रतिनिधि शामिल हुए। ज्ञापन में सर्व समाज ने सरकार से मांग की है कि प्रदेश में धर्मांतरण को रोकने के लिए सख्त कानून लागू किया जाए और धार्मिक स्वतंत्रता के नाम पर होने वाले अवैध धर्मांतरण पर सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही, दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की अपील की गई है। सर्व समाज ने यह भी स्पष्ट किया कि उनका आंदोलन किसी भी विशेष धर्म के खिलाफ नहीं है, बल्कि यह संविधान और सामाजिक सौहार्द की रक्षा के लिए है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने समय रहते इस मुद्दे पर ठोस कदम नहीं उठाए,तो वे अपने आंदोलन को और व्यापक करेंगे, जिसकी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

प्रभु यीशु के जन्म पर गिरिजाघरों में हुए विशेष धार्मिक अनुष्ठान

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,24 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

प्रभु यीशु के जन्मदिन पर गिरिजाघरों को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। वहीं मसीही समाज के लोग अपने-अपने घरों को भी रंग-बिरंगी रोशनी से सजाए थे। 24 दिसंबर को शाम होते ही काफी संख्या में समाज के महिला-पुरूष व बच्चे गिरजाघरों में पहुंचना शुरू कर दिए थे। रात 9 बजे से अनुष्ठान शुरू हो गए थे। मसीही समाज का सबसे बड़ा पर्व क्रिसमस धूमधाम से मनाया गया। इसकी तैयारी पूर्व से की गई थी। मसीही समाज के लोग अपने-अपने घरों को क्रिसमस पर्व पर आकर्षक लाइट व एक्समस ट्री से सजाए थे। वहीं अपने-अपने घरों में भी आकर्षक चरनी तैयार किए थे। चरनी को भी आकर्षक लाइट से सजा रखा था। वहीं रात 12 बजते ही प्रभु यीशु का जन्मोत्सव मनाया गया। मुख्य आयोजन नवापारा स्थित महागिरजा घर में आयोजित किया गया। यहां काफी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे थे। बिशप अंतोनिस बड़ा की अगुवाई में परंपरागत ढंग से विविधि धार्मिक अनुष्ठान कराए गए। व्हीकल जनरल फादर विलियम उर्रे,पुरोहित फादर जार्ज ग्रे कुजूर के नेतृत्व में सारी तैयारी की गई थी। वहीं जिला मुख्यालय अंबिकापुर के अलावा मैनपाट, सीतापुर,बतौली,लुण्ड्रा,उदयपुर,दरिमा में भी गिरजाघरों में क्रिसमस का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। रात 12 बजे जैसे ही गिरिजाघरों का घंटा बजा लोग जश्न में डूब गए।

बिशप अंतोनिस बड़ा की अगुवाई में प्रभु यीशु का जन्मोत्सव मना। इसके साथ ही लोगों ने केक काटा और आतिशबाजी शुरू कर दी। इसके बाद धार्मिक अनुष्ठान शुरू हो गए। वहीं मसीही समाज के लोग पूरी रात नाचते-गाते नजर आए। नवापारा गिरिजाघर के अलावा बिशप हाउस में क्रिसमस को लेकर चरनी आकर्षक ढंग से सजाए गए थे। क्रिसमस ट्री, विशेष लाइटिंग से चरनी जगमगा रहा था। 24 दिसंबर की रात 12 बजते ही लोगों ने केक काट कर जश्न मनाया और एक दूसरे को बधाइयां दीं। वहीं श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए गिरिजाघरों में विशेष व्यवस्था की गई थी।

परसोड़ी में खदान विस्तार के खिलाफ विरोध जारी,स्वशासन दिवस पर पेसा एक्ट का प्रचार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,24 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

परसोड़ी कला गांव में अमेरा कोयला खदान के विस्तार के खिलाफ ग्रामीणों का विरोध लगातार जारी है। 24 दिसंबर को, पेसा एक्ट पंचायती राज विस्तार अनुसूचित क्षेत्र अधिनियम, 1996 के लागू होने की 29वीं वर्षगांठ पर ग्रामीणों ने स्वशासन दिवस मनाया। इस अवसर पर ग्रामीण एकजुट होकर पेसा एक्ट और वन अधिकार अधिनियम जैसे कानूनों का प्रचार-प्रसार कर रहे हैं, साथ ही खदान विस्तार का विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। जन संयाजक जनसाय पोया ने बताया कि पेसा एक्ट, जो 24 दिसंबर 1996 को लागू हुआ था, अनुसूचित क्षेत्रों में आदिवासी समुदायों को ग्राम सभा के माध्यम से स्वशासन का अधिकार प्रदान करता है। इसमें जल, जंगल, जमीन पर स्थानीय नियंत्रण, खनन परियोजनाओं के लिए ग्राम सभा की अनिवार्य सहमति और सांस्कृतिक अधिकारों की रक्षा की बात की गई है। हालांकि, ग्रामीणों का आरोप है कि जिला प्रशासन और खनन कंपनियां इस कानून की अनदेखी कर रही हैं। वे कहते हैं कि कोल बेयरिंग एक्ट 1957 का हवाला देते हुए अधिकारियों ने संविधान की गलत व्याख्या की है, जबकि पेसा कानून प्रमुखता रखता है। अमेरा ओपनकास्ट कोयला खदान का विस्तार हसदेव अरण्य क्षेत्र से जुड़ा है, जो जैव विविधता से भरपूर घना जंगल है। ग्रामीणों का कहना है कि खदान विस्तार से उनकी जमीन, जंगल और जल स्रोत नष्ट हो रहे हैं, जिससे उनकी आजीविका प्रभावित हो रही है। वे 'जल, जंगल, जमीन बचाओ' के नारे के साथ लगातार संघर्ष कर रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि खदान विस्तार के लिए ग्राम सभा की सहमति नहीं ली गई, मुआवजा अपर्याप्त है, और पर्यावरण को गंभीर नुकसान हो रहा है। वे संविधान की पांचवीं अनुसूची के तहत अपने अधिकारों की मांग कर रहे हैं।

64.94 लाख के राशन घोटाले के मामले में 2 और आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,24 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

64.94 लाख के राशन घोटाले के मामले में कोतवाली पुलिस ने फरार दो और आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार खाद्य शाखा के अधिकारी शिव कुमार मिश्रा ने 7 अक्टूबर 2025 को थाना कोतवाली अंबिकापुर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया गया कि शासकीय उचित मूल्य दुकानों की जांच में खाद्यान्न की बड़ी कमी पाई गई। जांच में सितंबर 2022 से मार्च 2024 की स्थिति में 1631.29 क्विंटल चावल, 10.43 क्विंटल शक्कर और 48.34 क्विंटल चना, कुल मिलाकर 64.94 लाख रुपये का गबन पाया गया। इसके बाद, थाना कोतवाली में धारा 420, 409, 120-बी और आवश्यक वस्तु अधिनियम की धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया था। मामले में पूर्व में आरोपी सुनिता पैकरा, मुकेश यादव, फरहान सिद्दीकी को गिरफ्तार किया गया था। 23 दिसंबर को पुलिस को पवन सिंह और सैफ अली को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में दोनों ने अपना जुर्म स्वीकार किया। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

कलेक्टर अजीत वसंत का मेडिकल कॉलेज अस्पताल निरीक्षण, स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार की दिशा में कई अहम निर्देश

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,24 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

बुधवार को नवपदस्थ कलेक्टर अजीत वसंत ने मेडिकल कॉलेज अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल के सीएमएचओ, अस्पताल के एमएस, सिविल सर्जन और अन्य डॉक्टरों के साथ बैठक की, जिसमें अस्पताल की व्यवस्थाओं और आवश्यकताओं पर चर्चा की। कलेक्टर ने अस्पताल के सभी वार्ड, सीटी स्कैन कक्ष, एमआरआई कक्ष और एमसीएच सहित अन्य विभागों का भी निरीक्षण किया।

अस्पताल प्रशासन ने कलेक्टर को कुछ प्रमुख समस्याओं से अवगत कराया, जिनमें वेंटिलेटर युक्त एंबुलेंस की कमी, रीएजेंट की उपलब्धता में परेशानी, और अन्य बुनियादी सुविधाओं की जरूरतों का जिक्र किया। कलेक्टर ने इन समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए निर्देश दिए कि मरीजों को किसी भी तरह की परेशानी का सामना नहीं होना चाहिए। विशेष रूप से पहाड़ी कोरवा समुदाय के मरीजों को इलाज के दौरान किसी भी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े, इसके लिए जरूरी कदम उठाए जाएं। कलेक्टर ने अस्पताल के स्टाफ से भी कहा कि मरीजों के साथ अच्छे व्यवहार किया जाए, और किसी भी प्रकार का दुर्व्यवहार न किया जाए। मेडिकल कॉलेज अस्पताल में केवल एक वेंटिलेटर युक्त एंबुलेंस उपलब्ध है, जबकि प्रतिदिन तीन से चार गंभीर मरीजों को रायपुर रेफर करना पड़ता है। इससे गंभीर मरीजों को समय पर वेंटिलेटरयुक्त एंबुलेंस उपलब्ध नहीं हो पाती, जिससे उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इस मामले में कलेक्टर ने अस्पताल प्रशासन से चर्चा कर जल्द वेंटिलेटर युक्त एंबुलेंस उपलब्ध कराने की बात कही और इसकी व्यवस्था करने का आश्वासन दिया। कलेक्टर ने अस्पताल में रीएजेंट की कमी के बारे में भी बात की, जिसे अस्पताल प्रशासन ने बताया था। एमएस ने जानकारी दी कि रीएजेंट की खरीदी के लिए सीजीएमएससी से एनओसी की आवश्यकता होती है, और कई बार सीजीएमएससी डायरेक्ट सप्लाई करता है।

कलेक्टर ने कहा कि राज्य शासन से बात कर इस समस्या का समाधान किया जाएगा। इसके अलावा, अस्पताल के सामने सड़क पर अतिक्रमण की समस्या भी उठाई गई थी, जिस पर कलेक्टर ने नगर निगम आयुक्त से चर्चा कर इसे खाली कराने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने यह स्पष्ट किया कि अस्पताल में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और मरीजों को बेहतर इलाज सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

जल शोधन संयंत्र कतकालो पहुंचे कलेक्टर नगर में पेयजल व्यवस्था के सुचारू प्रबंधन करने का निर्देश

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,24 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने बुधवार को नगर पालिक निगम अंबिकापुर द्वारा संचालित विभिन्न विकास परियोजनाओं एवं कतकालो जल शोधन संयंत्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं अभियंताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर श्री वसंत ने सर्वप्रथम नगर पालिक निगम अंबिकापुर के नवीन कार्यालय भवन का निरीक्षण किया। यह भवन 783.05 लाख रुपये की लागत से निर्माणाधीन है। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कार्य की गुणवत्ता और प्रगति का अवलोकन करते हुए जनवरी 2026 तक भवन निर्माण पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके पश्चात कलेक्टर ने कतकालो स्थित 15 एमएलडी क्षमता वाले जल शोधन संयंत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने अभियंताओं को निर्देशित किया कि ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखते हुए अभी से पेयजल आपूर्ति की सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि आने वाले समय में नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत एएचपी घटक के तहत नगर पालिक निगम अंबिकापुर के वार्ड क्रमांक 02 सुभाषनगर में निर्माणाधीन आवास परियोजना का भी निरीक्षण किया। इस योजना के अंतर्गत 22.04 करोड़ रुपये की लागत से 17 ब्लॉकों में कुल 493 आवास इकाइयों का निर्माण किया जा रहा है। कलेक्टर ने कार्यों की समीक्षा करते हुए आयुक्त नगर पालिक निगम एवं अभियंताओं को चरणबद्ध रूप से निर्माण कार्य पूर्ण कर हितग्राहियों को शीघ्र आवास आबंटित करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने आवास स्थल पर रहवासियों के लिए अहाता निर्माण का कार्य तत्काल प्रारंभ करने के निर्देश दिए। साथ ही आवास परिसर में सड़क, पेयजल, विद्युत, जलनिकासी एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता को लेकर विस्तृत चर्चा की।

कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने कहा कि सभी परियोजनाओं में गुणवत्ता, समय-सीमा और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए, ताकि आम नागरिकों को योजनाओं का सीधा और समय पर लाभ मिल सके। इस दौरान नगर पालिका निगम कमिश्नर श्री डी एन कश्यप नगर पालिक निगम कार्यपालन अभियंता श्री संतोष रवि सर, सहायक अभियंता श्री दुष्यंत बजाज, सहायक अभियंता विद्युत यांत्रिकी श्री प्रशांत खुल्लर सहित अधिकारी- कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रशासन गांव की ओर अभियान के तहत समाधान शिविर आयोजित,179 हितग्राही हुए लाभान्वित

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,24 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

जिले के उदयपुर जनपद पंचायत में विकासखंड स्तरीय प्रशासन गांव की ओर के तहत जन समस्या समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निराकरण किया गया साथ ही हितग्राही मूलक योजनाओं से हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों के माध्यम से कुल 179 हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। जिसमें राजस्व विभाग से 38, विद्युत विभाग से 35, कृषि विभाग से 27, पशुपालन विभाग से 12, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग से 9 तथा मछली पालन विभाग से 8 हितग्राही लाभान्वित हुए। शिविर के दौरान उपस्थित ग्रामीणों को विकसित भारत ग्रामीण रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) की विस्तृत जानकारी दी गई। इस मिशन के अंतर्गत स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित कर युवाओं, महिलाओं एवं ग्रामीणों को आत्मनिर्भर बनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। विभिन्न योजनाओं के माध्यम से स्वरोजगार, कौशल विकास एवं आजीविका संवर्धन से संबंधित जानकारी साझा की गई। साथ ही शिविर में उपस्थित जनप्रतिनिधियों को मिशन से संबंधित कंडिका (सूचनात्मक सामग्री) का वितरण भी किया गया, ताकि वे अपने-अपने क्षेत्रों में आमजन को योजनाओं की सही जानकारी देकर अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित कर सकें। ग्रामीणों ने समाधान शिविर की सराहना करते हुए कहा कि इससे समय और खर्च दोनों की बचत हुई है। उदयपुर जनपद पंचायत सीईओ श्री वेद प्रकाश गुप्ता ने बताया कि इस शिविरों का उद्देश्य जनसमस्याओं का त्वरित निराकरण, योजनाओं की जानकारी का व्यापक प्रचार-प्रसार और अंतिम व्यक्ति तक शासन का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि शासन के निर्देशानुसार आगे भी नियमित रूप से ऐसे समाधान शिविर आयोजित किए जिससे लोगों को हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ मिल सके। शिविर में जनपद अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश सिंह, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष श्री सिद्वार्थ सिंह देव, रामगढ प्रबोध सिंह, अखण्ड विधायक सिंह, जनपद सदस्य गण, तहसीलदार विकास जिंदल, नायब तहसीलदार आकाश गौतम सहित विकासखण्ड के सभी अधिकारी कर्मचारी गण समूह की दीदी और बड़ी संख्या में आम जनतागण उपस्थित रहे।

कार्यों में लापरवाही बरतने वाले ग्राम पंचायत पेंट के सचिव पन्नालाल गुप्ता निलंबित

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,24 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

जनपद पंचायत मैनपाट के मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा 13 नवम्बर 2025 के द्वारा प्रेषित किये गये प्रतिवेदन अनुसार 26 जून 2025 को ग्राम पंचायत पेंट जनपद पंचायत मैनपाट का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विकासखण्ड समन्वयक एवं तकनीकी सहायक मनरेगा द्वारा किया गया था। निरीक्षण के दौरान शासन की महत्वाकांक्षी योजना पीएम जनमन में स्वीकृत आवास का जियो टैगिंग में अनियमितता पाया गया। अनियमितता के संबंध में ग्राम पंचायत पेंट के सचिव श्री पन्नालाल गुप्ता को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। सचिव श्री गुप्ता द्वारा अपने बचाव हेतु उक्त नोटिस का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया। श्री गुप्ता द्वारा उच्च अधिकारियों के आदेशों/निर्देशों की अवहेलना करना एवं कार्य दायित्वों का निर्वहन लापरवाही पूर्वक किया जाना अनुशासन हीनता को प्रदर्शित करता है जो कि छ0ग0 पंचायत सेवा (आचरण) नियम 1998 के नियम 3 के विपरीत होने के फलस्वरूप छत्तीसगढ़ पंचायत सेवा (अनुशासन तथा अपील) नियम 1999 के नियम 4 (क) एवं (ख) के तहत जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विनय अग्रवाल द्वारा ग्राम पंचायत पेंट के सचिव श्री पन्नालाल गुप्ता को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में इनका मुख्यालय जनपद पंचायत मैनपाट में नियत करते हुए नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी। जनपद पंचायत मैनपाट के ग्राम पंचायत राजापुर के सचिव श्री मधिम राम को ग्राम पंचायत पेंट का अतिरिक्त प्रभार अस्थायी रूप से आगामी आदेश पर्यन्त सौपा गया है। इसी प्रकार सीईओ श्री अग्रवाल द्वारा कार्य में लापरवाही बरतने वाले नरेगा अंतर्गत 04 रोजगार सहायको में से 02 रोजगार सहायको को पद से पृथक करने तथा 02 रोजगार सहायकों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही किया जा रहा है।

वीन सर्व सोनार समाज की बैठक में लिए गए कई निर्णय

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,24 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

नवीन सर्व सोनार समाज का मासिक बैठक मंगलवार को समाज के जिला अध्यक्ष विनोद सोनी के नेतृत्व में हुई। इस बैठक में समाज को संगठित और इसके विस्तार करने को लेकर चर्चा की गई। इस दौरान समाज के पुरोधा रहे स्वर्गीय रामचंद्र स्वर्णकार को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उन्हें याद करते हुए समाज के लोगो ने उनके बताए हुए रास्ते मे चलने की प्रेरणा ली। समाज की बैठक अब हर माह के अंतिम मंगलवार को आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। सोनार समाज को एकजुट करने के साथ ही इसके विस्तार करने को लेकर बैठक में अनुभवी लोगों ने अपना अनुभव साझा किया। इस दौरान समाज को एक नई दिशा देने के लिए समाज से जुड़ने और सामाजिक गतिविधियों में शामिल होने की अपील की। नवीन सर्व सोनार समाज की बैठक में इस बात का भी निर्णय लिया गया कि आने वाले दिनों में सभी पदाधिकारी अपने संगठन का विस्तार न सिर्फ जिले बल्कि पूरे संभाग में करेंगे ताकि लोगों के जुडने से संगठन को एक मजबूती मिल सके। इस बैठक में नवीन सर्व सोनार समाज के संभागीय प्रभारी रघुनाथ सोनी, समाज के संभागीय संरक्षक शिवराम सोनी, संभागीय अध्यक्ष सुरेश सोनी, जिला अध्यक्ष विनोद सोनी, नगर अध्यक्ष श्रीप्रकाश सोनी, विजय सोनी, सुरेंद्र सोनी, अशोक सोनी,राजेन्द्र प्रशाद सोनी, विनोद सोनी, अंकुर सोनी, अरुण सोनी, सतीश सोनी, शेखर सोनी,अनूप सोनी के साथ बड़ी संख्या में समाज के लोग शामिल रहे।

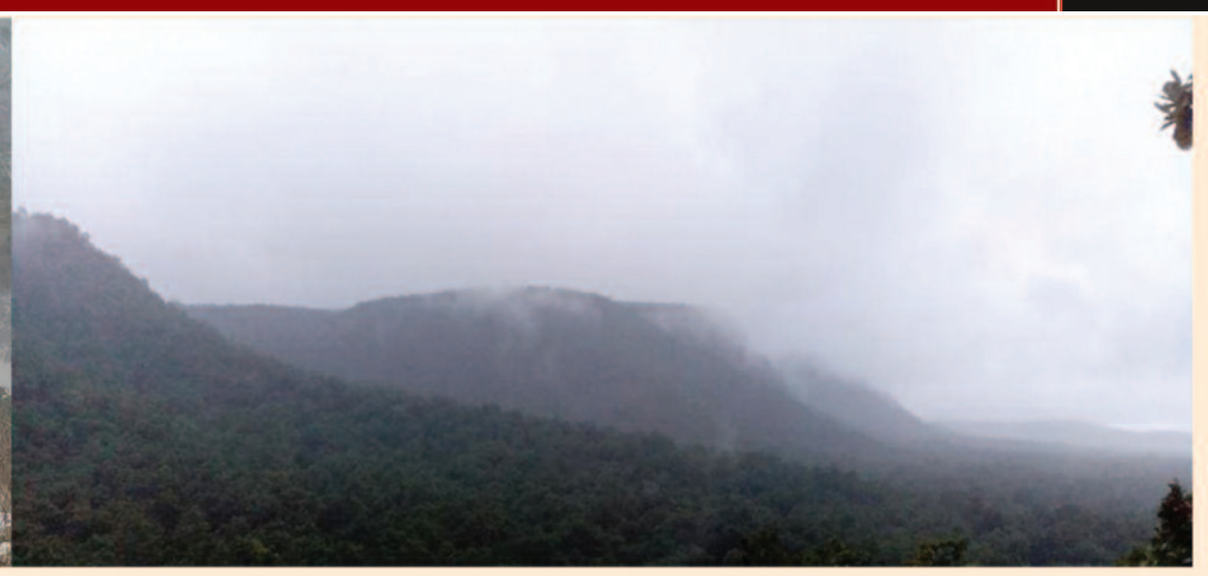

कोहरे की सफेद चादर में लिपटा सोनहत...थम गई जनजीवन की रफ्तार

हाड़ कंपाने वाली ठंड: 5-10 मीटर रह गई दृश्यता...सड़कों पर रेंगते वाहन

- शीत लहर का डबल अटैक-कोहरा,पाला और गिरता तापमान
- खेतों पर बर्फ जैसी परत,सब्जी की फसलों पर पाले का कहर
- अलाव नदारद,पंचायतों की तैयारी शून्य-ठंड में कांपते लोग...

राजन पाण्डेय

बैकुंठपुर/सोनहत,24 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ के उत्तरी छोर पर स्थित कोरिया जिला इन दिनों कड़ाके की ठंड, घने कोहरे और शीत लहर के त्रिकोण में फंसा हुआ है,खासकर सोनहत क्षेत्र में सुबह का नज़ारा ऐसा है मानो प्रकृति ने पूरी धरती पर सफेद चादर बिछा दी हो,दृश्यता 5 से 10 मीटर तक सिमट चुकी है और सुबह 10 बजे तक सूरज के दर्शन नहीं होना अब सामान्य हो गया है। कोहरे का सीधा असर जनजीवन और यातायात पर पड़ा है, शिव घाट,राष्ट्रीय और राज्य मार्गों पर वाहन रेंगते दिखे। यह स्थिति केवल असुविधा नहीं,बल्कि दुर्घटना का खुला न्योता है, ऐसे समय में सवाल उठता है क्या प्रशासन और स्थानीय संस्थाएं केवल मौसम के गुजर जाने का इंतजार कर रही हैं?

पाला: किसानों पर सबसे भारी मार

सोनहत ब्लॉक में तापमान गिरते ही खेतों में पाले की सफेद परत जम गई है। टमाटर,बैंगन,मिर्च, लौकी जैसी नाजुक सब्जियां झुलसने लगी हैं,आलू की फसल पर पाले का असर ऐसा है कि पत्ते जलकर काले पड़ रहे हैं,जिससे कंद का विकास रुकने और पैदावार घटने की आशंका गहरा गई है। यह सिर्फ एक मौसमीय घटना नहीं, बल्कि किसानों की मेहनत पर संकट है।

अलाव नहीं, इंतज़ाम शून्य : सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि ग्रामीण पंचायतों में अलाव की कोई ठोस व्यवस्था नहीं दिख रही, ठंड से सबसे अधिक प्रभावित बुजुर्ग, बच्चे और गरीब तबका खुले आसमान के नीचे ठिठुरने को मजबूर है। हर साल आने वाली इस ठंड के बावजूद, व्यवस्थागत तैयारी का अभाव प्रशासनिक संवेदनहीनता को उजागर करता है।

सलाह है, लेकिन सहारा चाहिए : कृषि विशेषज्ञ हल्की सिंचाई और सल्फर छिड़काव की सलाह दे रहे हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या छोटे किसान यह सब बिना संस्थागत मदद के कर पाएंगे? ठंड केवल मौसम नहीं, नीति और तैयारी की परीक्षा भी होती है।

अब चेत जाना जरूरी

कोहरा और शीत लहर कुछ दिनों में कम हो सकती है, लेकिन इससे उजागर हुई कमियां लंबे समय तक सवाल बनकर रहेंगी, पंचायतों को अलाव की व्यवस्था करनी होगी, प्रशासन को किसानों के लिए त्वरित राहत और मार्गदर्शन देना होगा, और आम लोगों को सावधानी के साथ-साथ सामूहिक सजगता दिखानी होगी, क्योंकि ठंड हर साल आती है, लेकिन लापरवाही अगर हर साल दोहराई जाए, तो नुकसान भी हर साल बढ़ेगा।

सांसद खेल महोत्सव के दो दिवसीय लोकसभा स्तरीय प्रतियोगिता की हुई शुरुआत

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,24 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)। युवाओं में खेल भावना को बढ़ावा देने तथा पारंपरिक एवं परंपरागत खेलों को संरक्षित करने के उद्देश्य से भारत सरकार के युवा खेल मंत्रालय के निर्देश पर संसदीय क्षेत्र सरगुजा में सांसद खेल महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। विकासखण्ड, विधानसभा स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता के पश्चात महोत्सव के अंतिम चरण लोकसभा स्तर की दो दिवसीय प्रतियोगिता का शुभारंभ बुधवार को सरगुज़ा सांसद श्री चिंतामणि महाराज द्वारा औपचारिक रूप से किया गया। सांसद श्री महाराज ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया तथा उन्हें शुभकामनाएं दीं। लोकसभा स्तर में आयोजित प्रतियोगिता में विधानसभा स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी/दल हिस्सा लेंगे। शुभारंभ अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह एवं उपाध्यक्ष श्री देवनारायण यादव, नगर निगम सभापति श्री हरमिंदर सिंह टिन्नी, पार्षद श्री आलोक दुबे, श्री रविकांत उरांव,श्री कमलेश तिवारी, जनप्रतिनिधियों में श्री अनिल सिंह मेजर, अपर कलेक्टर श्री सुनील नायक सहित अधिकारी- कर्मचारी उपस्थित रहे।

ये रहे विजेता : आयोजित प्रतियोगिताओं में रस्सा कसी बालिका में बलरामपुर, रस्सा कस्सी सीनियर बालक में शंकरगढ़, रस्सा कस्सी जूनियर बालक में लखनपुर, पिट्ठुल बालक में लुण्ड्रा, पिट्ठुल बालिका में लुण्ड्रा, व्हालीबाल बालिका में सीतापुर एवं बालक में अम्बिकापुर, फुटबॉल बालक में राजपुर एवं बालिका में अम्बिकापुर, कबड्डी बालक में भैयाथान एवं बालिका में लुण्ड्रा, रस्सी कूद बालक में बतौली के याकूब किंडो एवं रस्सी कूद बालिका में सीतापुर की प्रीति पैंकरा विजेता रहे।

धान खरीदी व्यवस्था सुदृढ़ रखने राइस मिलर्स की बैठक संपन्न

धान उठाव में तेजी लाने दिए निर्देश,शासन की मंशानुरूप करें कार्य : कलेक्टर कटारा

-संवाददाता-

बलरामपुर,24 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा ने संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जिले के सभी राइस मिलर्स की बैठक लेकर धान उठाव एवं चावल जमा से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर श्री कटारा ने कहा कि शासन की मंशानुरूप धान उठाव का कार्य समयबद्ध एवं सफलतापूर्वक संपादित हो, इसके लिए सभी समन्वय के साथ कार्य करें तथा धान उठाव में अपेक्षित सहयोग प्रदान करें। कलेक्टर श्री कटारा ने बताया कि जिले में धान खरीदी की प्रक्रिया सतत रूप से जारी है और उपार्जन केंद्रों में धान की आवक तेजी से हो रही है। इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए उन्होंने राइस मिलर्स को शीघ्र धान उठाव करने के निर्देश दिए, ताकि उपार्जन केंद्रों में किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो और किसानों को परेशानी का सामना न करना पड़े। बैठक के दौरान कलेक्टर श्री कटारा ने राइस मिलर्स की समस्याएं भी गंभीरतापूर्वक सुनीं और उनके शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया। उन्होंने खाद्य अधिकारी को निर्देशित किया कि परिवहन व्यवस्था, धान उठाव एवं अन्य संबंधित व्यवस्थाओं की व्यक्तिगत रूप से

सतत निगरानी रखें, जिससे संपूर्ण प्रक्रिया सुचारु रूप से संचालित हो सके। कलेक्टर श्री कटारा ने बैठक में अनुपस्थित रहे राइस मिलर्स के प्रति कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने उन्होंने कहा कि शासन के कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में अपर कलेक्टर श्री आर.एस. लाल, श्री चेनत बोरघरिया, खाद्य अधिकारी श्री विनय कुजूर सहित संबंधित अधिकारी एवं राईस मिलर्स उपस्थित रहे।

छठी कार्यक्रम में जा रहे लोगों की गाड़ी रोककर आरोपियों ने की मारपीट,पीड़िता के के गले से चैन छीनते हुए की छेड़छाड़

-संवाददाता-

सनवाल,24 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)। बलरामपुर जिले के सनवाल थाना क्षेत्र में आरोपियों ने छठी कार्यक्रम में जा रहे लोगो की गाड़ी रोककर गाड़ी में तोड़ फोड़ कर सवार लोगों के साथ मार पीट , आरोपी यहीं नहीं रुके गाड़ी में सवार पीड़िता लड़की के गले में पहने सोने के चैन छीनते हुए उसके साथ छेड़खानी की गई, प्राथी कोकी रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपियो पर अपराध क्रमांक 81/2025 धारा 256, 351(2), 115(2), 324(5) 126(2), 75, 304(2), 3,5 BNS के तहत कार्यवाही कर न्यायिक रिमांड पर भेजा। जानकारी के अनुसार प्रार्थी/पीड़िता के द्वारा थाना सनावल में उपस्थित होकर इस आशय का रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 23.12.2025 के करीब 6 से 7 बजे के बीच पीड़िता के साथ रंजू सिंह, सुभम सिंह, सुरज सिंह, रोशनी सिंह, श्यामदेव सिंह, गौरीशंकर सिंह व ड्राईवर के साथ ये सभी लोग ग्राम त्रिशुली में सत्यनारायण सिंह के यहा छठी कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। उसी दौरान ग्राम मदरू टोला के पास कृष्णा यादव, रवि यादव, पवन यादव, दिनेश यादव, एक ही मोटर सायकल में आकर रास्ता रोकने का प्रयास किये, जब ड्राइवर ने गाड़ी नही रोका तब आरोपीगण पिछा करते हुए कुछ दूर आने के बाद गाड़ी रोकवाकर ड्राईवर के साथ गाली गलौज कर मारपीट करने लगे,मना करने पर यह लोग को जान से मारने की धमकी देकर पास में आकर रंजू सिंह के गले में पहने सोने के चैन को खिच लिये एवं लड़की पीड़िता के साथ छेड़खानी करने लगे तब प्रार्थी गौरीशंकर ने नीरज सिंह को फोन लगाकर उक्त घटना के बारे में बताया फिर गाड़ी क्रमांक JH01EJ 8492 लेकर नीरज व उज्जवल घटना स्थल जा रहे थे जिन्हें रास्ते में रोकर इनके साथ भी मारपीट गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देकर कार में तोड़ फोड़ किये तथा कार के चाबी निकाल लिये इस घटना के बारे में मोबाईल फोन से पंकज को सूचना मिलने के बाद अशोक सिंह, सूर्यप्रताप सिंह घटना स्थल पर गये आरोपियों द्वारा उन लोग के साथ भी गाली गलौज एवं लाठी डंडा एवं पंच से मारपीट किया गया है।

प्रार्थी कि रिपोर्ट पर थाना सनावल में अपराध क्रमांक 81/2025 धारा 256,351(2),115(2), 324(5) 126(2), 75, 304(2), 3,5 BNS पंजीबद्ध कर विवेचना कार्यवाही में लिया गया विवेचना दौरान घटना स्थल का निरीक्षन कर गवाहो का कथन लिया गया है। कथन के आधार पर आरोपी कृष्णा यादव पिता दयाशंकर यादव, निवाशी त्रिशूली, रवि यादव पिता जयलाल यादव निवासी ग्राम त्रिशूली, दिनेश यादव पिता अशर्फी यादव, निवासी डूमरपान, सभी थाना सनावल, जिला बलरामपुर रामानुजगंज को हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपियों द्वारा घटना कारित करना स्वीकार कर घटना में प्रयुक्त 01 बांस का डण्डा पेश किया गया है चैन के संबंध में बताया कि झुमा झपटी के दौरान कई गिर गया है रात में अधेरा होने के कारण पता नही चला कहाँ गिरा है। आरोपियो के विरुद्ध पर्याप्त अपराध सबुत पाये जाने से आरोपियों को आज दिनांक 24.12.2025 को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया। कार्यवाही थाना प्रभारी निरीक्षक बृजलाल भारद्वाज, सउनि कपिल साय, प्र.आर. 61 राजेश तिकी, आरक्षक 766 अमरित सोनवानी, आर. 257 प्रमेलाल कुजूर के सक्रिय रहे ।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक- 202512020700070/

विषय: अ-6 मामले की श्रेणी:राजस्व सन्:-2025-2026

फुन्दुरडिहारी प.ह.न. 00016
[334/37(0.01200)]

पक्षकारों का विवरण -
आवेदक पक्षकार -
आलोक कुमार अग्रवाल,
अनावेदक पक्षकार -
आनन्द अग्रवाल,अंजना अग्रवाल,नीतू अग्रवाल,नवीन अग्रवाल,पंकज अग्रवाल, हरिलाल, रोशन लाल, अनिल, दुर्गाप्रसाद, कलावती देवी, गिन्नी देवी,अंकुश, अल्पा ना.बा.निखिल,आलोक कुमार,रवि कुमार,रीता,निधि,मोनिका, मनोज अग्रवाल,अमरजीत,अनूप अग्रवाल विकास अग्रवाल,विनिता अग्रवाल,संतोष अग्रवाल,राजेश अग्रवाल,अमित अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल,संगीता अग्रवाल,रितु अग्रवाल, विमला अग्रवाल,

ईश्तहार

आवेदक आलोक कुमार अग्रवाल आ0स्व) माखन लाल अग्रवाल निवासी सदररोड नगर अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम फुन्दुरडिहारी स्थित भूमि खसरा नंबर 334/37 रकबा 0.012 हे भूमि के राजस्व अभिलेखो से मृतक सहखातेदार शारदा देवी का नाम विलोपित किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 07-01-2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 15/12/2025 को जारी किया जाता है।

सील
उमेश्वर सिंह बाज
तहसीलदार
तहसील अम्बिकापुर

मवेशी तस्करों को ग्रामीणों ने पीछा कर पकड़कर पुलिस को दी सूचना,सूचना पर पुलिस पहुंचकर आरोपियों को गिरफ्तार कर भेजा न्यायिक रिमांड पर

-संवाददाता-

बलरामपुर,24 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। बलरामपुर जिले के दिन त्रिकुंड थाना क्षेत्र अंतर्गत रहने वाले ग्रामीणों ने मनवेशियों को बूचड़ खाना ले जा रहे मवेशी तस्करों का पीछाकर कर पकड़ कर पुलिस को दी सूचना,सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर आरोपियों को गिरफ्तार कर अपराध क्रमांक 76/2025 धारा पशु परीक्षण अधिनियम 4,6,10, एवं पशु क्रूरता अधिनियम 111 तहत कार्यवाही कर भेजो न्यायिक रिमांड पर। जानकारी के अनुसार दिनांक 23/12/2025 को 10:00 बजे मोबाइल से सूचना मिला की ग्राम मरमा बैजनपरा में तीन चार व्यक्ति पांच मवेशी को लेकर मारते पीटते हुए बूचड़खाना झारखंड की ओर ले जा रहे थे , ग्राम मरमा के ग्रामीणों की नजर पढ़ने पर ग्रामीण एवंत उसके साथियों के द्वारा पीछा कर मवेशी तस्करों को पकड़ा गयापकड़ा गया । सूचना के आधार पर चौकी प्रभारी डिंडो हमराह स्टाफ के मौके पर पहुंच कर तसदीक किया गया। एवं आरोपियों से मवेशियों का खरीद बिक्री संबंधित दस्तावेज को मांगा गया, जिस पर मवेशी तस्करों के द्वारा मवेशी खरीद बिक्री संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत किया नहीं किया गया। पुलिस के द्वाराआरोपियों का नाम पता पूछने पर अपना नाम तनुज सिंह पिता राम नंदन सिंह, ग्राम ग्राम सिरै खुर्द, थाना रंका, जिला गढ़वा, झारखंड एवं संतोष पिता बालेसर, ग्राम धार्मि थाना रामचंद्रपुर एवं शहंशाह अंसारी पिता वाजूदीन अंसारी, ग्राम अनुरुधपुर थाना रामचंद्रपुर, जिला बलरामपुर का रहने वाले बताऐ। आरोपियों के कब्जे से कुल पांच मवेशियों को जपती कार्यवाही कर चौकी डिंडो लाकर प्रार्थी के रिपोर्ट पर चौकी डिडो में अपराध क्रमांक 76/25 धारा पशु परीक्षण अधिनियम 4,6,10, एवं पशु क्रूरता अधिनियम 111 अपराध पंजीबद्ध कर मामले में आरोपी तनुज सिंह पिता राम नंदन सिंह, 30 वर्ष, ग्राम सिरै खुर्द थाना रंका, संतोष पिता बालेश्वर उम्र 30 वर्ष ग्राम धरमि थाना रामचंद्रपुर, शहंशाह अंसारी पिता वाजुद्दीन अंसारी उम्र 47 वर्ष ग्राम अनुरुधपुर थाना रामचंद्रपुर को दिनांक 23/ 12/.2025 को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा जा रही है। कार्यवाही में उपनिरीक्षक नवल किशोर दुबे सहायक उप निरीक्षक मारियानुस खलखो आरक्षक दीपक बघेल आरक्षक शिवनारायण सिंह आरक्षण संदीप संजय तिर्की शिव भजन पोर्टे शामिल रहे।

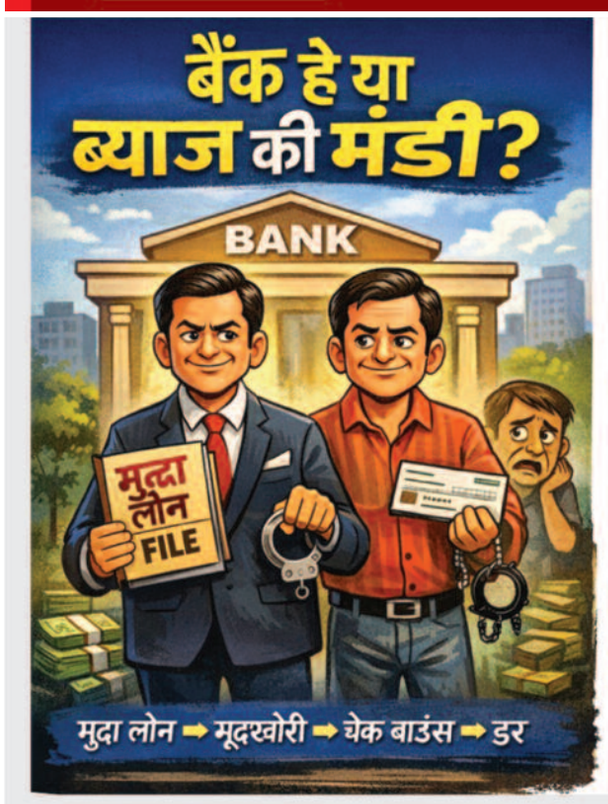

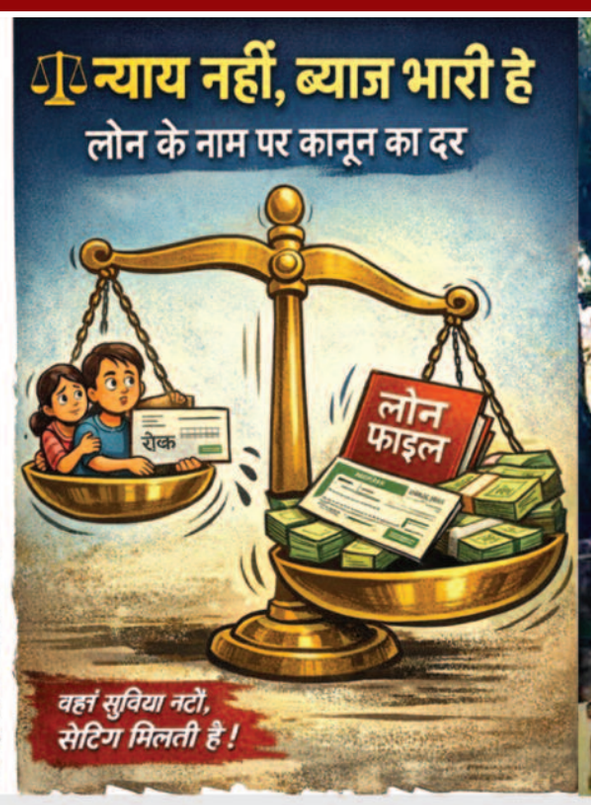

बैकुंठपुर यूको बैंक का ब्रांच मैनेजर कौन...आनंद या विशाल?

शहर में गूंजते सवाल...आरोपों की परतें और चुप्पी का संदेह...

- बैकुंठपुर यूको बैंक में बड़ा आरोपःब्रांच मैनेजर-भाई का गठजोड़,मुद्रा लोन की आड़ में सूदखोरी...
- चेक बाउंस कराकर ब्लैकमेलिंग के गंभीर आरोप...बैंक की आड़ में अवैध वसूली का नेटवर्क?
- मुद्रा लोन,फर्जीवाड़ा और डर का कारोबार...
- 6 लाख दिए, 4 लाख लौटाए...फिर भी 16 लाख की देनदारी...पीड़ित का दावा...
- मामला पुलिस शिकायत की दहलीज पर बैंक प्रबंधन की चुप्पी सवालों के घेरे में...

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर,24 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

बैकुंठपुर स्थित यूको बैंक इन दिनों किसी नई बैंकिंग सुविधा या जनहितकारी योजना के कारण नहीं, बल्कि ब्रांच मैनेजर और उनके कथित भाई के गठजोड़ को लेकर सुर्खियों में है,शहर में चर्चा का विषय यह है कि आनंद और विशाल नाम के दो व्यक्ति लगातार इस बैंक से जुड़े विवादों में सामने आ रहे हैं,लेकिन अब तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि इनमें से वास्तविक ब्रांच मैनेजर कौन है,बल्कि बैंक के ब्रांच मैनेजर और उनके कथित भाई पर लगे ऐसे आरोप हैं, जो अगर सही पाए गए तो न केवल बैंक की छवि, बल्कि पूरे बैंकिंग सिस्टम पर बड़ा सवाल खड़ा कर सकते हैं, शहर में यह सवाल अब खुलकर पूछा जा रहा है आखिर यूको बैंक का वास्तविक ब्रांच मैनेजर कौन है आनंद या विशाल? और क्या दोनों भाइयों का बैंक के भीतर-बाहर एक संगठित आर्थिक गठजोड़ है?

बैंक या सूदखोरी का अड्डा?

बैंक भरोसे की इमारत होते हैं लेकिन जब बैंक का नाम डर,चेक बाउंस और ब्लैकमेलिंग से जुड़ने लगे, तो सवाल सिर्फ एक ब्रांच का नहीं रहता,सवाल पूरे सिस्टम का हो जाता है,बैकुंठपुर में आज लोग यह नहीं पूछ रहे कि यूको बैंक में कौन-सी योजना है? बल्कि पूछ रहे हैं आनंद या विशाल,असली मैनेजर कौन है? और बैंक किसके लिए चल रही है जनता के लिए या दो भाइयों के लिए? अगर आरोप झूठे हैं, तो बैंक प्रबंधन को सामने आकर बोलना चाहिए,अगर आरोप सच हैं,तो चुप्पी सहमति मानी जाएगी,मुद्रा लोन गरीबों के लिए थे उन्हें सूदखोरी की पूंजी बना देना केवल अपराध नहीं,नैतिक पतन है, आज सवाल बैंक मैनेजर पर है,कल सवाल पूरे बैंकिंग सिस्टम पर होगा और तब जवाब देना मुश्किल होगा,अब जरूरत है स्वतंत्र ऑडिट की,पीड़ितों की सुरक्षा की और जवाबदेही तय करने की क्योंकि बैंक अगर डर पैदा करने लगे, तो लोकतंत्र सिर्फ कागज पर रह जाता है।

दो भाई,एक बैंक और कई आरोप...

सूत्रों के अनुसार,बैंक से जुड़े मामलों में आनंद और विशाल नामक दो व्यक्ति लगातार सामने आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि इनमें से एक बैंक का ब्रांच मैनेजर है,जबकि दूसरा व्यक्ति बैंक के नाम और प्रभाव का उपयोग कर मुद्रा लोन दिलाने,अवैध वसूली और सूदखोरी जैसे कार्यों में सक्रिय है, शहर में आम चर्चा है कि एक भाई बैंक के भीतर पद पर है, दूसरा भाई बैंक के बाहर रहकर 'एजेंट' की भूमिका निभा रहा है, दोनों के कथित तालमेल से बैंक की आड़ में एक अघोषित वित्तीय कारोबार चलाया जा रहा है।

मुद्रा लोन बना कथित खेल का आधार...

सूत्रों का दावा है कि बैंक में स्वीकृत कई मुद्रा लोन की प्रक्रिया संदेह के घेरे में है,आरोप है कि जरूरतमंद लोगों को मुद्रा लोन दिलाने का झांसा दिया जाता है, लोन के बदले नकद राशि वसूली जाती है, कई मामलों में फर्जी या अपात्र लोन स्वीकृत कराए गए, लोन की राशि निकलवाकर उसे सूदखोरी के धंधे में लगाया गया, यदि इन मामलों की स्वतंत्र जांच की जाए, तो कई ऐसे लोन सामने आ सकते हैं जो नियमों के विपरीत स्वीकृत हुए हों ऐसा दावा सूत्र कर रहे हैं।

चेक बाउंस और ब्लैकमेलिंग के गंभीर आरोप...

इस पूरे मामले में सबसे गंभीर आरोप चेक बाउंस कराकर ब्लैकमेलिंग से जुड़े हैं, कुछ कथित पीड़ितों का कहना है कि उन्हें ब्याज पर पैसा दिया गया, बदले में उनसे चेक लिए गए,खाते उसी बैंक में खुलवाए गए,बाद में जानबूझकर भारी रकम भरकर चेक बाउंस कराया गया,फिर कानूनी कार्रवाई की धमकी देकर दबाव बनाया गया,एक पीड़ित ने नाम न छापने की शर्त पर बताया की मुझे 6 लाख दिए गए थे। मैं 4 लाख लौटा चुका हूं, लेकिन अब 16 लाख की देनदारी बताकर लगातार मेरा चेक बाउंस कराया जा रहा है। मुझे केस में फंसाने की धमकी दी जा रही है।

बैंक के भीतर 'सब सेट' का दावा...

सूत्रों के अनुसार, जिन लोगों से चेक लिए जाते हैं उनके खाते जानबूझकर उसी बैंक शाखा में खुलवाए जाते हैं, यह भरोसा दिया जाता है कि बैंक में हमारा आदमी है, ताकि चेक बाउंस और अन्य प्रक्रियाओं में कोई रुकावट न आए, यदि यह आरोप सही हैं, तो यह केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि संस्थागत दुरुपयोग का मामला बनता है।

पुलिस तक पहुंच सकती है शिकायत...

शहर में चर्चा है कि अब कई पीड़ितों का सब्र जवाब दे चुका है और आने वाले दिनों में पुलिस में औपचारिक शिकायत, बैंक के उच्च अधिकारियों से लिखित शिकायत और संभवतः जांच एजेंसियों तक मामला पहुंच सकता है, यदि ऐसा होता है, तो यह मामला केवल स्थानीय स्तर पर नहीं, बल्कि क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर तक तूल पकड़ सकता है।

कानूनी स्पष्टीकरण...

यह खबर किसी को दोषी ठहराने का निर्णय नहीं है, बल्कि जांच की मांग है, बैंक जैसी सार्वजनिक संस्था पर लगे ऐसे आरोपों की निष्पक्ष,पारदर्शी और त्वरित जांच न केवल पीड़ितों के लिए, बल्कि बैंकिंग व्यवस्था की विश्वसनीयता के लिए भी आवश्यक है,यह रिपोर्ट आरोपों और आशंकाओं पर आधारित है,संबंधित पक्ष को अपना पक्ष रखने का पूरा अवसर है,जांच एजेंसियों द्वारा पुष्टि के बाद ही किसी निष्कर्ष पर पहुँचना उचित होगा

अगले अंक में: दस्तावेजों की पड़ताल, कथित लेन-देन की कड़ी, और यह विश्लेषण— पूरा खेल कैसे और कब शुरू हुआ?

सवाल जो जवाब मांगते हैं...

- सवालः बैकुंठपुर यूको बैंक का वास्तविक ब्रांच मैनेजर कौन हैआनंद या विशाल?
- सवालः क्या मुद्रा लोन की स्वतंत्र ऑडिट होगी?
- सवालः बैंक प्रबंधन और क्षेत्रीय कार्यालय की जवाबदेही तय कब होगी?
- सवालः यदि आरोप निराधार हैं,तो स्पष्टीकरण सार्वजनिक क्यों नहीं? और यदि आरोप सही हैं,तो कार्रवाई में देरी क्यों?
- सवालः क्या बैंक प्रबंधन इन आरोपों से अवगत है?
- सवालः चेक बाउंस मामलों में बैंक की भूमिका की जांच कौन करेगा?

क्या हैं आरोप? (सूत्रों के हवाले से)

- आरोपः मुद्रा लोन के नाम पर अनियमितताओं और फर्जीवाड़े की आशंका
- आरोपः लोन दिलाने के बदले नकद वसूली
- आरोपः कर्ज लेने वालों से चेक लेकर जानबूझकर बाउंस कराना, फिर कानूनी दबाव बनाना
- आरोपः कथित तौर पर सूदखोरी और बैंकिंग व्यवस्था की आड़ में निजी वसूली तंत्र
- आरोपः कुछ पीड़ितों का दावाः 6 लाख दिए गए, 4 लाख वापस ले चुका हूं, फिर भी 16 लाख की देनदारी बताकर चेक बाउंस कराए जा रहे हैं। (यह सभी दावे सूत्रों व कथित पीड़ितों के बयान पर आधारित हैं; स्वतंत्र जांच अभी शेष है।)

हरित समृद्धि की ओर मजबूत कदम

उद्यानिकी प्रशिक्षण से सशक्त होंगे किसान और युवा,सुशासन सप्ताह पर विशेष पहल

-संवाददाता-

सूरजपुर,24 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)।

जिले में आत्मनिर्भरता और हरित अर्थव्यवस्था को मजबूती देने की दिशा में उद्यानिकी विभाग ने एक दूरदर्शी और व्यावहारिक पहल की है, सुशासन सप्ताह के अवसर पर जिला खनिज न्यास (डीएमएफ) निधि के प्रभावी उपयोग से किसानों एवं स्थानीय युवक-युवतियों के लिए विशेष उद्यानिकी प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है, जो आने वाले समय में जिले की कृषि-आधारित अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाई देगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मंशानुरूप एवं कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देशन में ग्राफ्टेड टमाटर, बैंगन एवं अन्य उद्यानिकी फसलों के उत्पादन को बढ़ावा देने हेतु यह विशेष प्रशिक्षण अभियान प्रारंभ किया गया है, इसका उद्देश्य किसानों को आधुनिक तकनीकों से जोड़ते हुए बढ़ती सब्जी मांग के अनुरूप उत्पादन क्षमता को सुदृढ़ करना है,अब तक जिले के किसानों को ग्राफ्टेड पौधों के लिए बाहरी एजेंसियों पर निर्भर रहना पड़ता था,जिससे लागत,समय और उपलब्धता तीनों पर असर पड़ता था, इसी चुनौती को देखते हुए जिला प्रशासन ने कौशल विकास आधारित माली प्रशिक्षण योजना लागू की है,ताकि जिले में ही गुणवत्तापूर्ण ग्राफ्टेड पौधों का उत्पादन संभव हो सके और बाहरी निर्भरता घटे,डीएमएफ निधि से उद्यानिकी विभाग को माली प्रशिक्षण हेतु राशि उपलब्ध कराई गई है। इसके तहत शासकीय उद्यान दतिमा (विकासखंड सूरजपुर) और शासकीय उद्यान खोरमा (विकासखंड प्रतापपुर) में 30-30, कुल 60 हितग्राहियों किसान एवं स्थानीय युवक-युवतियों को निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण में कटिंग, बडिंग और ग्राफ्टिंग जैसी आधुनिक तकनीकों का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया जा रहा है। प्रशिक्षण पूर्ण होने पर हितग्राहियों को उद्यानिकी टूल-किट भी दी जाएगी, ताकि वे तुरंत कार्य प्रारंभ कर सकें।

राजनीति से बड़ा 'मानवता का धर्म'

एक्सीडेंट में घायल युवतियों को पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने अपनी ही गाड़ी से पहुंचाया अस्पताल...

-संवाददाता-

मनेन्द्रगढ़,24 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

यह घटना किसी राजनीतिक बयान या मंच की नहीं,बल्किचरित्र की कसौटी है, लोकतंत्र में जनप्रतिनिधि केवल कानून बनाने या भाषण देने के लिए नहीं होते वे समाज के संकट क्षणों में दिशा दिखाने के लिए भी होते हैं, गुलाब कमरो का यह कदम याद दिलाता है कि सत्ता के बिना भी सेवा की जा सकती है,और राजनीति से ऊपर मानवता का धर्म होता है,काश,यह दृश्य अपवाद न रहे बल्कि परंपरा बने।

बता दे की राजनीति के शोर और आरोप

प्रत्यारोप के दौर में जब जनप्रतिनिधियों से संवेदनशीलता की उम्मीदें अक्सर टूटती हैं, ऐसे समय में गुलाब कमरो ने मानवता की एक ऐसी मिसाल पेश की,जिसने भरोसा जगा दिया। मंगलवार को मनेन्द्रगढ़ कलेक्ट्रेट कार्यालय के समीप हुई बाइक दुर्घटना में दो युवतियां गंभीर रूप से घायल हो गईं। सड़क पर तड़पती युवतियों को देखकर जहां लोग असमंजस में थे,वहीं वहां से गुजर रहे पूर्व विधायक ने बिना एक पल गंवाए मदद का हाथ बढ़ाया।

राजनीति से ऊपर मानवता का धर्म : पूर्व विधायक गुलाब कमरो अपने गृह ग्राम साल्ही से मनेन्द्रगढ़ की ओर आ रहे थे। दुर्घटना स्थल पर पहुंचते ही उन्होंने न प्रोटोकॉल देखा,न सुरक्षा घेरा–बस गाड़ी रुकवाई और स्वयं सड़क पर उतर आए। युवतियों की गंभीर हालत को भांपते हुए उन्होंने एम्बुलेंस का इंतज़ार करना उचित नहीं समझा और अपने निजी वाहन से दोनों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनेन्द्रगढ़ पहुंचाया।

तत्परता ने बचाई जान गोल्डन ऑवर में मिला इलाज : कलेक्ट्रेट जैसे व्यस्त मार्ग पर हुए हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी थी। ऐसे समय में श्री कमरो की त्वरित प्रतिक्रिया निर्णायक साबित हुई। अस्पताल पहुंचकर उन्होंने स्वयं डॉक्टरों से बातचीत की,उपचार की स्थिति जानी और यह सुनिश्चित किया कि घायलों को प्राथमिकता के आधार पर इलाज मिले। चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार दुर्घटना के बाद का पहला घंटा गोल्डन ऑवर जीवन रक्षक होता है, और यही समय पर मिला उपचार घायलों के लिए वरदान बन गया।

समाज के लिए प्रेरणादायक पहल : घटनास्थल पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों ने इस मानवीय पहल की मुक्तकंठ से सराहना की। लोगों का कहना था कि अक्सर वीआईपी काफिले ऐसी घटनाओं से नजरें फेरकर निकल जाते हैं,लेकिन गुलाब कमरो ने आगे बढ़कर यह साबित किया कि पद नहीं, संवेदना बड़ी होती है।

'जल है तो कल है' रिज टू वैली मॉडल ने बदली जल संरक्षण की सोच

पहाड़ से घाटी तक पानी की सुरक्षा : सोनहत में दिखा मनरेगा का असर...

घुघरा में जल चेतना का जीवंत पाठ,मॉडल ने समझाया भविष्य का रास्ता

रिज टू वैली: जब विज्ञान और पंचायत साथ आए

आवा पानी झोंकी से आगे...कोरिया में जल आंदोलन की नींव

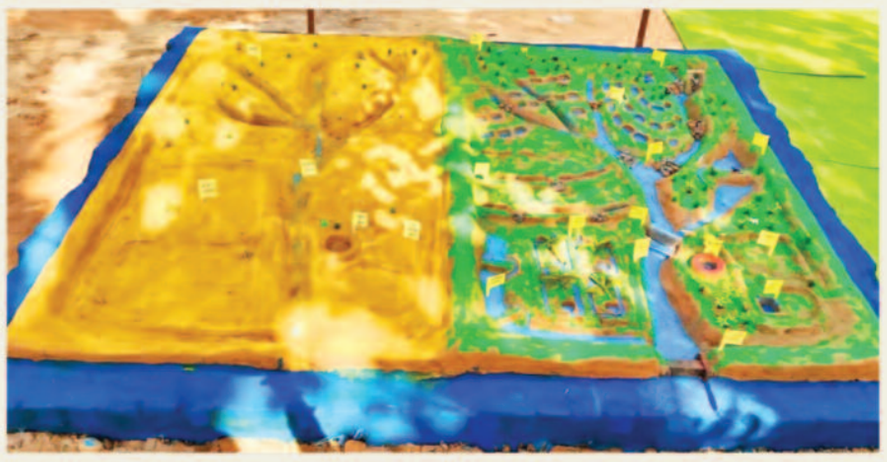

-राजन पाण्डेय-

कोरिया,24 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

जल संकट आज केवल भविष्य की आशंका नहीं, बल्कि वर्तमान की सच्चाई है, ऐसे समय में कोरिया जिले के जनपद पंचायत सोनहत अंतर्गत ग्राम पंचायत घुघरा में प्रस्तुत रिज टू वैली अवधारणा पर आधारित मनरेगा मॉडल सिर्फ एक प्रदर्शन नहीं, बल्कि नीतिगत चेतावनी और समाधान दोनों है, अब तक जल संरक्षण की अधिकांश कोशिशें नदियों, नालों या घाटी तक सीमित रहीं, परिणाम यह हुआ कि ऊपर से बहकर आई मिट्टी और तेज बहाव ने नीचे बनी संरचनाओं को अल्पकालिक बना दिया,रिज टू वैली तकनीक इस सोच को उलट देती है पानी को नीचे पहुंचने से पहले ही रोकना, थामना और जमीन में उतारना,यही इसकी सबसे बड़ी ताकत है।

बता दे की कोरिया जिले के जनपद पंचायत सोनहत में जल संरक्षण को लेकर एक सकारात्मक और ज़मीनी पहल सामने आई है, प्रशासन गांव की ओर अभियान के तहत ग्राम पंचायत घुघरा में आयोजित शिविर में रिज टू वैली अवधारणा पर आधारित मनरेगा संरचनाओं का जीवंत मॉडल प्रस्तुत किया गया, जिसने जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों दोनों का ध्यान खींचा, मॉडल के माध्यम से जल-संरक्षण के महत्व को सरल और प्रभावी ढंग से समझाया गया, एक ओर जल-सजगता के अभाव में जलविहीन गांव, तो दूसरी ओर जागरूक नागरिकों द्वारा जल-संरक्षणयुक्त गांव की तस्वीर,संदेश साफ थाः आज बचत, कल सुरक्षा। हालांकि,असली परीक्षा अब शुरू होती है, मॉडल और संदेश तभी सार्थक होंगे जब रिज टू वैली संरचनाएं गुणवत्ता,निरंतर निगरानी और स्थानीय सहभागिता के साथ जमीन पर उतरेंगी। यदि यह पहल फोटो और शिविर तक सीमित रह गई,तो यह भी बाकी अभियानों की तरह इतिहास बन जाएगी, लेकिन अगर इसे सही ढंग से क्रियान्वित किया गया, तो यह तय है कोरिया जिले में जलस्तर बढ़ेगा, खेती बचेगी और गांवों का भविष्य सुरक्षित होगा।

समझें क्या है 'रिज टू वैली' तकनीक?

रिज टू वैली जल-संग्रहण और मृदा-संरक्षण की एक वैज्ञानिक, परिणामकारी पद्धति है, इसका मूल सिद्धांत है पहाड़ी की चोटी (रिज) से घाटी (वैली) तक पानी के बहाव को चरणबद्ध तरीके से नियंत्रित करना, ताकि भूजल रिचार्ज बढ़े और मिट्टी का कटाव रुके, कैसे काम करती है यह तकनीक? रिज (ऊपरी हिस्सा): छोटे-छोटे गड्ढे/ट्रेंच ताकि वर्षा जल वहीं समा जाए, ढलानः पत्थर के घेरे/कंटूर संरचनाएं पानी की गति धीमी हो, मिट्टी बहे नहीं, वैली (निचला हिस्सा): चेक डैम/तालाब शेष पानी का संचयन।

जल संरक्षण "जल है तो कल है" थीम पर निर्मित मनरेगा मॉडल ने खींचा ध्यान

मुख्य लाभ

- भूजल पुनर्भरण : कुओं-नलकूपों का जलस्तर सुधरता है।
- मृदा संरक्षण : उपजाऊ मिट्टी सुरक्षित रहती है।
- हरियाली में वृद्धि : नमी बढ़ने से पौधरोपण सफल होता है।
- बाढ़ जोखिम में कमी : अचानक तेज बहाव का खतरा घटता है।
- संरचनाओं की दीर्घायु : ऊपर मिट्टी रुकने से नीचे के तालाब/चेक डैम जल्दी नहीं भरते।

आवा पानी झोंकी अभियान से मिली गति-

छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले में आवा पानी झोंकी जैसे जन-जागरूकता अभियानों ने ग्रामीणों को वर्षा जल संचयन, भूजल संरक्षण और श्रमदान से जोड़ा है। उद्देश्य स्पष्ट है जल संकट से बचाव और भावी पीढ़ियों के लिए संसाधनों की सुरक्षा।

डॉ. रामचंद्र सिंह देव की विरासत आज की पहल

जल संरक्षण के क्षेत्र में प्रेरणास्त्रोत रहे डॉ. रामचंद्र सिंह देव ने वर्षों पहले इसी तरह की वैज्ञानिक तकनीकों पर जोर दिया था। उनके बाद जिले में अभियानात्मक रूप में यह प्रयास पहली बार दिखा है। इसकी सफलता आगे तय होगी, पर ग्राउंड लेवल पर पंचायती अमले की सक्रियता और जन-सहयोग ने उम्मीदें मजबूत की हैं। यदि क्रियान्वयन निरंतर और गुणवत्तापूर्ण रहा, तो जलस्तर में बढ़ोतरी निश्चित है।

जमीन मालिक को 15 साल की कानूनी लड़ाई के बाद न्याय

खड़गवां प्रशासन ने पट्टे की भूमि से हटाया सालों पुराना अतिक्रमण

-राजेन्द्र शर्मा-

खड़गवां,24 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

खड़गवां तहसील मुख्यालय में आज एक बड़ी कार्यवाही सामने आ रही है, जहाँ पट्टे की भूमि पर सालों से काबिज अतिक्रमणकारी के खिलाफ प्रशासन का डंडा चला है खड़गवा मुख्यालय में पिछले 15 सालों से हसबुन पति राशिद मुस्लिम महिला अपने परिवार के द्वारा जबरन कब्जा कर बनाए गए कच्चे मकान को आज कोर्ट के आदेश के बाद ध्वस्त कर दिया गया। हालांकि, इसी विवादित जमीन पर एक प्रधानमंत्री आवास भी बनकर तैयार हो रहा है, जिसे फिलहाल नहीं गिराया गया गया है। ' मामला खड़गवां मुख्यालय का है, जहाँ न्याय मिलने की प्रतीक्षा में भले ही 15 साल लग गए, आखिरकार सत्य की जीत हुई खड़गवां में पट्टे की भूमि खसरा नंबर 427/3 पर पिछले डेढ़ दशक से हसबुन पति राशिद महिला ने जबरन शीट डालकर कच्चा मकान बनाकर कब्जा कर रखा था भूमि का असली वारिस अमित सोनी पिता गणेश प्रसाद सोनी अपनी भूमि पर से कब्जा हटवाने और भूमि की वापसी के लिए सालों से तहसील कार्यालय एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्यालय कलेक्टर कार्यालय एवं संभाग आयुक्त कार्यालय अम्बिकापुर के चक्कर काट रहा था। आज जैसे ही संभाग आयुक्त के कोर्ट का आदेश आया तो प्रशासन ने भूमि को खाली करने का समय भी दिया गया था मगर इस मुस्लिम महिला की दबंगई कुछ ज्यादा थी जो समय सीमा पर भूमि मकान खाली नहीं की जिस पर प्रशासन की टीम दलबल के साथ मौके पर पहुंचकर मकान में रखे सामान को सुरक्षित तहसीलदार मैडम एवं राजस्व अमले एवं थाना प्रभारी की मौजूदगी में बाहर निकालकर मकान को गिराने की कार्यवाही की गई इस भूमि के वारिस को 15 साल की कानूनी लड़ाई लडने करके बाद अपनी पटे की भूमि पर हक प्राप्त हुआ है। प्रशासन ने उस कच्चे निर्माण को बुलडोजर की मदद से जमींदोज कर दिया गया। ' जबकि ग्राम पंचायत खड़गवां से इस हितग्राही को प्रधानमंत्री आवास योजना से आवास आवंटित हुआ था जिससे भी फर्जीवाडा कर इस पटे की भूमि पर निर्माण कार्य कराया गया था इस आवास निर्माण कार्य में ग्राम पंचायत के कर्मचारियों एवं जनपद पंचायत के कर्मचारियों की सांठगांठ से फर्जी तरीके से प्रधानमंत्री आवास का निर्माण कार्य कराकर फर्जी तरीके से राशि का भी आहरण किया गया था? प्रशासन की इस कार्यवाही से क्षेत्र के भू-माफियाओं में दहशत का माहौल निर्मित होगा है और इस कार्यवाही से ये संदेश जा रहा है कि सत्य की जीत होती है समय जरूर लगता है। अब देखना होगा कि इस विवादित जमीन पर बने इस अधूरे प्रधानमंत्री आवास का क्या ग्राम पंचायत खड़गवां एवं जनपद पंचायत खड़गवां इस पर कार्यवाही कर हटायेगी या फिर भूमि स्वामी को ग्राम पंचायत खड़गवां एवं जनपद पंचायत खड़गवां के कर्मचारियों के फर्जीवाड़ा कर आवास निर्माण पर कार्यवाही के लिए न्यायालय की शरण लेना पड़ेगा?

राज्य स्तरीय युवा महोत्सव 2025 में सूरजपुर का गौरव

कक्षा 11 वीं की छात्रा अपूर्व ठाकुर ने मुख्यमंत्री को भेंट किया छायाचित्र

-संवाददाता-

सूरजपुर,24 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

सेजेश नवापारा में अध्ययनरत कक्षा 11वीं की छात्रा अपूर्व ठाकुर ने राज्य स्तरीय युवा महोत्सव 2025 के अवसर पर मुख्यमंत्री को उनका छायाचित्र भेंट कर न केवल विद्यालय बल्कि पूरे सूरजपुर जिले का मान बढ़ाया है, यह भव्य आयोजन 23, 24 एवं 25 दिसंबर को बहतरई स्टेडियम में आयोजित किया जा रहा है।

राज्य स्तरीय इस महोत्सव में सूरजपुर जिले से 83 प्रतिभागियों का दल लोकनृत्य, लोकगीत, एकल एवं सामूहिक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी कला का प्रदर्शन कर रहा है, जिले के प्रतिभागियों की सक्रिय और प्रभावशाली उपस्थिति ने सूरजपुर की सांस्कृतिक पहचान को राज्य स्तर पर मजबूती प्रदान की है, कार्यक्रम के दौरान विष्णु देव साय को अपूर्व ठाकुर द्वारा छायाचित्र भेंट किया जाना युवाओं की रचनात्मकता और आत्मविश्वास का प्रतीक माना जा रहा है। यह क्षण उपस्थित दर्शकों और प्रतिभागियों के लिए भी प्रेरणादायक रहा, इस अवसर पर खेल अधिकारी आरती पांडेय, दल प्रभारी सीमांचल त्रिपाठी, सहायक दल प्रभारी राजलाल प्रजापति एवं भूपेश देवांगन, दल सहायक सुनैना जायसवाल, माया ध्रुव, संजय यादव, दिलसाय ध्रुव, बलवीर सिंह एवं आयुष कुमार सहित अन्य अधिकारी व शिक्षकगण उपस्थित रहे, कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देशन में जिले के प्रतिभागी पूरी तैयारी और उत्साह के साथ विभिन्न विधाओं में प्रस्तुति दे रहे हैं, यह महोत्सव युवाओं को अपनी प्रतिभा को मंच देने के साथ-साथ आत्मविश्वास और सांस्कृतिक चेतना को भी सशक्त कर रहा है, कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, उप मुख्यमंत्री अरुण साव, विधायक अनुज शर्मा एवं सुशांत शुक्ला सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण मौजूद रहे।

जब युवा मंच पर आते हैं, जिले की पहचान बनती है...

राज्य स्तरीय युवा महोत्सव केवल सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि प्रतिभा, आत्मविश्वास और पहचान का संगम है, अपूर्व ठाकुर जैसी छात्राओं की सहभागिता यह सिद्ध करती है कि छोटे जिलों के युवा भी बड़े मंचों पर अपनी छाप छोड़ने का माद्दा रखते हैं, सूरजपुर के युवाओं की यह सक्रिय भागीदारी बताती है कि सही मार्गदर्शन और अवसर मिले, तो प्रतिभा सीमाओं की मोहताज नहीं होती।

कलेक्टर ने ईवीएम व वीवीपैट वेयरहाउस का किया त्रैमासिक निरीक्षण

-संवाददाता-

कोरबा,24 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

कार्यालय मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुपालन में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कुणाल दुदावत द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर स्थित ई.वी.एम. एवं वीवीपैट वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने वेयरहाउस में रखी गई ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों की सुरक्षा व्यवस्था, रिकॉर्ड, रख-रखाव, सीसीटीवी निगरानी व्यवस्था तथा प्रवेश नियंत्रण प्रणाली का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने निर्देश दिए कि वेयरहाउस परिसर में सुरक्षा मानकों का पूर्ण रूप से पालन सुनिश्चित किया जाए तथा निर्वाचन से संबंधित उपकरणों के रख-रखाव और दस्तावेजीकरण में पारदर्शिता बनाए रखी जाए। कलेक्टर श्री दुदावत ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वेयरहाउस परिसर की साफ सफाई, सुरक्षा,विद्युत व्यवस्था, अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता एवं मशीनों की स्थिति का समय-समय पर परीक्षण किया जाए। उन्होंने सभी अभिलेखों एवं मशीनों की स्थिति का परीक्षण कर आवश्यक सुझाव भी दिए। इस दौरान कलेक्टर ने उपस्थित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को भी वेयरहाउस संबंधित व्यवस्थाओं की जानकारी प्रदान की। कलेक्टर ने कहा कि ईवीएम की सुरक्षा और पारदर्शिता बनाए रखना चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने राजनैतिक दलों को आश्वस्त किया कि प्रशासन पूरी गंभीरता और निष्पक्षता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहा है, ताकि चुनावी प्रक्रिया पर जनता का विश्वास बना रहे।

व्यापारिक रंजिश और चुनावी हार के चलते की गई निर्मम हत्या के 05 आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

-संवाददाता-

कोरबा,24 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

कोरबा जिले के वरिष्ठ भाजपा नेता और जनपद सदस्य अक्षय गर्ग की बीते दिनों धारदार हथियार मारकर जघन्य हत्या कर देने के मामले को सुलझाते हुए पुलिस ने एक नाबालिक सहित चार आरोपियों को किया गिरेफ्तार। आईजी डॉ. संजीव शुक्ला के प्रवास और घटनास्थल का अवलोकन उपरांत उनके मार्गदर्शन में जिला पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी ने कटघोरा थाना के अधीन जटगा पुलिस सहायता केंद्र में कैंप लगाकर विभिन्न बिंदुओं पर मामले की पड़ताल शुरू की थी जिनका परिणाम उनके गिरफ्तारी से हुआ खुलासा । बताया जा रहा हैं की पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में विशेष टीम को काफी अहम जानकारियां और सुराग हाथ लगे थे, जिससे आरोपियों को जल्द से जल्द पकड़ा जा सका। जानकारी के अनुसार कुल 5 लोगों की संलिप्तता थी, जिन्होने व्यापारिक रंजिश एवं चुनाव मे हार का बदला लेने, इस जघन्य अपराध को अंजाम दिया। पुलिस ने 05 आरोपियों को उक्त मामले मे किया गिरफ्तार। पुलिस ने वारदात में जिस वाहन का और औजार का उपयोग किया गया था,उसे भी बरामद कर लिया है ।

गुरुकुल इंग्लिश मीडियम स्कूल,लखनपुर में सात दिवसीय वार्षिक खेल महोत्सव का भव्य समापन

-संवाददाता-

लखनपुर,24 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

गुरुकुल इंग्लिश मीडियम स्कूल, लखनपुर में आयोजित सात दिवसीय वार्षिक खेल महोत्सव का समापन अत्यंत उत्साहपूर्ण एवं अनुशासित वातावरण में हुआ। इस आयोजन ने विद्यार्थियों की खेल प्रतिभा के साथ-साथ उनके आत्मविश्वास,सहयोग और खेल भावना को प्रभावी रूप से उजागर किया। खेल महोत्सव के दौरान विद्यार्थियों ने खो-खो,कबड्डी, वॉलीबॉल,हाई जंप,भाला फेंक, गोला फेंक,विभिन्न दौड़ प्रतियोगिताओं के अलावा शतरंज एवं कैरम जैसे इनडोर खेलों में बढ़-चढ़कर भाग लिया। सभी प्रतिभागियों ने उत्कृष्ट स्पोर्ट् समैनशिप का परिचय देते हुए स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। समापन समारोह में माननीय अतिथियों की उपस्थिति में विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को मेडल एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए तथा चैंपियन ग्रुप की औपचारिक घोषणा की गई। बच्चों द्वारा प्रस्तुत अंतिम परेड ने समारोह को गरिमामय स्वरूप प्रदान किया।

CMYK

छत्तीसगढ़ बंद...रायपुर में मैग्नेटो मॉल में तोड़फोड़

बजरंग दल कार्यकर्ता ने ब्लिंकिट-कर्मी को पीटा,कांकेर में महिला का घर तोड़ा,लाटी-डंडे लेकर निकले हिंदू संगठन

रायपुर,24 दिसम्बर 2025। कांकेर जिले के आमाबेड़ा में हुई हिंसा और कथित धर्म परिवर्तन के विरोध में कई सामाजिक संगठनों ने आज छत्तीसगढ़ बंद का आह्वान किया है। प्रदेशभर में बंद का असर दिखा। रायपुर, दुर्ग और जगदलपुर में स्कूल, दुकानें और कई कॉमर्शियल प्रतिष्ठान सुबह से बंद हैं। वहीं एमसीबी जिले में बंद बेअसर रहा। वहीं कांकेर में फिर से बवाल हो गया है। आमाबेड़ा के उसेली गांव की धर्मांतरित महिला राम बाई तारम का घर तोड़ दिया है। राम बाई तारम का कहना है कि हिंदू धर्म में वापस आने को तैयार नहीं है,इसी बात को लेकर गांव वालों ने तोड़फोड़ की। 5-6 साल से ईसाई धर्म को मान रहे हैं। बीमारी के इलाज के लिए हिंदू धर्म छोड़े हैं। इसके अलावा रायपुर में बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने गुंडागर्दी की है। ब्लिंकिट के ऑफिस में घुसकर कर्मचारियों को लाठी से पीटा है। एक कार्यकर्ता कर्मचारी को मारते हुए सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। वहीं रायपुर के मैग्नेटो मॉल में हिंदू संगठन के लोगों ने तोड़फोड़ की है। रायपुर में हिंदू संगठनों के सदस्य, चैंबर ऑफ कॉमर्स के सदस्यों के साथ मिलकर बंद करवा रहे हैं। हिंदू संगठन के लोग लाठी-डंडे लेकर सड़क पर उतरे हैं। लोगों से अपनी दुकानें बंद रखने की अपील कर रहे हैं। जगदलपुर, अंबिकापुर, दुर्ग और बिलासपुर में भी सुबह से सभी दुकानें बंद हैं। इस बंद को आरएसएस, छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स और राज्य के कई व्यापारिक, सामाजिक और धार्मिक संगठनों का समर्थन मिला है। बाजार, दुकानें और प्राइवेट संस्थान बंद हैं, जबकि अस्पताल, मेडिकल स्टोर और इमरजेंसी सेवाएं खुली।

धमतरी में सर्व हिंदू समाज ने निकाली आक्रोश रैली,कहा...हिंदू भाई-भाई,बंटोगे तो कटोगे...

धमतरी में सर्व हिंदू समाज ने शहर में आक्रोश रैली निकाली। इस दौरान हिंदू समाज के कुछ लोग हाथों में गदा लेकर निकले। धर्मांतरण और जिला प्रशासन के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाए। साथ ही हिंदू भाई-भाई, बटोगे तो कटोगे के नारे लगे। आक्रोश रैली एसडीएम कार्यालय पहुंची। यहां सर्व हिंदू समाज के लोगों ने मुख्यमंत्री के नाम 5 सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। धमतरी में हिंदुओं के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के खिलाफ तहसील कार्यालय में बवाल जारी है। हिंदू समाज के लोगों ने कोतवाली का घेराव किया।

सर्व समाज ने मैग्नेटो मॉल में मचाया उत्पात,तोड़फोड़ का वीडियो सामने आया...

बंद को सफल बनवाने निकले सर्व समाज ने मैग्नेटो मॉल में उत्पात मचाया, क्रिसमस तैयारी को लेकर हुई सजावट को प्रदर्शनकारियों ने तोड़ दिया, जिसका वीडियो भी सामने आया है, माल के अंदर बाहर जमकर तोड़फोड़ की गई है। तेलीबांधा थाना क्षेत्र की घटना है। बता दें कि कांकेर जिले के आमाबेड़ा में हुई हिंसा और कथित धर्म परिवर्तन के विरोध में कई सामाजिक संगठनों ने आज छत्तीसगढ़ बंद का आह्वान किया है। प्रदेशभर में बंद का असर दिखा। रायपुर, दुर्ग और जगदलपुर में स्कूल, दुकानें और कई कॉमर्शियल प्रतिष्ठान सुबह से बंद हैं। वहीं एमसीबी जिले में बंद बेअसर रहा। वहीं कांकेर में फिर से बवाल हो गया है। आमाबेड़ा के उसेली गांव की धर्मांतरित महिला राम बाई तारम का घर तोड़ दिया है।

बंद के दौरान धमतरी के तहसील कार्यालय में बवाल

धमतरी बंद के दौरान तहसील कार्यालय में बावल की स्थिति बन गई। बंद कराने निकले हिंदू समाज के लोगों पर विवादित टिप्पणी करने का आरोप है। भीड़ ने धर्मान्तरण के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाए और काफी देर तक बवाल होने लगा। टिप्पणी करने वाले के ऊपर उचित कार्रवाई की मांग की गई।

दुर्ग में सड़कों पर उतरे बजरंग दल के कार्यकर्ता,दुकानों को बंद करवाया

दुर्ग जिले में छत्तीसगढ़ बंद का असर देखने को मिला। बंद को विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल का सक्रिय समर्थन मिला, जिसके चलते शहर के कई इलाकों में बाजार स्वेच्छा से बंद रहे। सब्जी मंडी सहित प्रमुख व्यापारिक क्षेत्रों में सुबह से ही दुकानें नहीं खुलीं,जिससे जनजीवन आंशिक रूप से प्रभावित रहा। बंद के दौरान दुर्ग में माहौल शांतिपूर्ण बना रहा। सर्व समाज के लोग, विहिप और बजरंग दल के कार्यकर्ता एकजुट होकर सड़कों पर उतरे और लोगों से सहयोग की अपील करते नजर आए।

अब नहीं चलेगा 'पार्षद पति' राज...छत्तीसगढ़ में अब महिलाओं की जगह रिश्तेदार नहीं चला पाएंगे सत्ता

रायपुर,24 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के नगर निगमों, नगर पालिकाओं और पंचायतों में 'पार्षद पति' या 'प्रतिनिधि' बनकर रसूख दिखाने वाले रिश्तेदारों के दिन अब लद गए हैं। राज्य सरकार ने एक ऐतिहासिक और सख्त कदम उठाते हुए महिला जनप्रतिनिधियों के कामकाज में उनके पति,भाई या किसी भी पुरुष रिश्तेदार के हस्तक्षेप पर पूरी तरह से रोक लगा दी है। अब अगर किसी महिला पार्षद की कुर्सी पर उनका पति या रिश्तेदार बैठा मिला, तो उस पर सीधे भारतीय न्याय संहिता के तहत एफआईआर दर्ज होगी।

संविधान का हवाला: अब 'प्रॉक्सी' राज नहीं चलेगा : नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि निर्वाचित महिलाओं की जगह उनके रिश्तेदारों का हस्तक्षेप न केवल प्रशासनिक नियमों का उल्लंघन है, बल्कि यह संविधान के अनुच्छेद 14, 15(3) और 21 के तहत मिले महिला अधिकारों का हनन है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के कड़े रुख के बाद शासन ने यह 'हंटर' चलाया है।

सीधे जेल की हवा : विभाग ने चेतावनी दी है कि आदेश का उल्लंघन करने पर केवल विभागीय नोटिस नहीं मिलेगा, बल्कि कानूनी कार्रवाई होगी। भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 207, 223 और 316 के तहत मामला दर्ज किया जा सकता है। वहीं मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम 1993 की धारा 13 के तहत सख्त कदम उठाए जाएंगे।

सांसद-विधायकों को भी 'नो एंट्री' के निर्देश : अक्सर देखा जाता है कि सांसद और विधायक अपने कोटे से निकायों में महिला प्रतिनिधियों के पतियों को ही अपना 'प्रतिनिधि' नियुक्त कर देते हैं। सरकार ने निकाय आयुक्तों और सीएमओ को साफ निर्देश दिया है कि वे सांसदों और विधायकों को लिखित में सूचित करें कि किसी भी महिला जनप्रतिनिधि के परिवार के सदस्य को 'प्रतिनिधि' के रूप में स्वीकार न किया जाए।

146 करोड़ की लागत से काशी की तर्ज पर बनेगा भव्य भोरमदेव कॉरिडोर

कबीरधाम,24 दिसम्बर 2025। केंद्र सरकार की स्वदेश दर्शन योजना 2.0 के तहत छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में 146 करोड़ रू. की लागत से भोरमदेव कॉरिडोर परियोजना का विकास किया जा रहा है। भूमिपूजन दिसंबर 2025 के अंतिम सप्ताह में प्रस्तावित है, जिसमें मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के साथ केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत शामिल होंगे। यह ऐतिहासिक निर्णय राज्य के पुरातात्विक और धार्मिक स्थलों को जोड़कर राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करेगा।

1000 वर्ष पुरानी धरोहर को नया जीवन

भोरमदेव मंदिर के इतिहास में पहली बार वाटर ट्रीटमेंट जैसी आधुनिक पहल हो रही है। परियोजना के अंतर्गत मुख्य मंदिर परिसर समेत मड़वा महल, छेरकी महल, रामचुआ, सरोधा दादर तक कॉरिडोर का समग्र विकास होगा। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर की तर्ज पर 6 प्रवेश द्वार,पार्क,संग्रहालय,परिधि दीवारों का संवर्धन,बाउंड्री वॉल साज-सज्जा, बोरवेल से पेयजल,शेड, बिजली,ड्रेनेज और पौधरोपण की व्यवस्था की जाएगी। ऐतिहासिक तालाब का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। सफाई, जल

गुणवत्ता सुधार, किनारों पर हरित क्षेत्र, बैठने की जगह और पैदल पथ विकसित किए जाएंगे। भोरमदेव मंदिर आने वाले हजारों कांवड़ यात्रियों के लिए आधुनिक शेड का निर्माण किया जाएगा। शेडों में पेयजल, स्वच्छता, विश्राम की समुचित व्यवस्था होगी, जिससे श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सुविधाजनक ठहराव मिल सकेगा। भोरमदेव कॉरिडोर परियोजना के पूर्ण होने पर धार्मिक-सांस्कृतिक पर्यटन को नई गति मिलेगी, स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार सृजित होंगे तथा क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी। यह छत्तीसगढ़ की प्राचीन धरोहरों को आधुनिक सुविधाओं से जोड़कर सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत करेगी।

केंद्र सरकार का बड़ा फैसला...

आईएएस डॉ. प्रियंका शुक्ला 'मेरा युवा भारत' की नई सीईओ नियुक्त

रायपुर,24 दिसम्बर 2025। युवाओं से जुड़ी राष्ट्रीय पहल को नई दिशा देने के लिए केंद्र सरकार ने अहम प्रशासनिक निर्णय लिया है। अपॉइंटमेंट्स कमेटी ऑफ द कैबिनेट ने छत्तीसगढ़ कैडर की 2009 बैच की आईएएस अधिकारी डॉ. प्रियंका शुक्ला को 'मेरा युवा भारत का मुख्य कार्यपालन अधिकारी नियुक्त करने की मंजूरी दे दी है। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग द्वारा जारी आदेश के मुताबिक, डॉ. प्रियंका शुक्ला की यह नियुक्ति प्रतिनियुक्ति आधार पर तीन वर्षों के लिए की गई है। उन्हें पे मैट्रिक्स लेवल-14 के अंतर्गत यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। नियुक्ति पदभार ग्रहण करने की तिथि से प्रभावी होगी या अगले आदेश तक लागू रहेगी।

हॉस्पिटल के जनरल वार्ड में धधकी आग,एक की मौत

सक्ती,24 दिसम्बर 2025। जिले से एक गंभीर और सनसनीखेज घटना सामने आई है. सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सक्ती के जनरल वार्ड में अचानक आग लग गई। इस घटना में वहां मौजूद एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई. आग लगते ही वार्ड और अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जैसे ही वार्ड में मौजूद लोगों ने युवक को आग की चपेट में देखा, अस्पताल में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। घटना की सूचना मिलते ही सक्ती थाना प्रभारी लखन पटेल पुलिस टीम के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रण में लिया।

सीएम साय ने स्वर्गीय शुक्ल के पार्थिव शरीर को कंधा देकर अंतिम विदाई दी

रायपुर,24 दिसम्बर 2025। सीएम विष्णुदेव साय आज राजधानी रायपुर के शैलेन्द्र नगर स्थित वरिष्ठ साहित्यकार एवं ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित स्वर्गीय विनोद कुमार शुक्ल के निवास पहुँचे और उनके अंतिम दर्शन कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने उनके पार्थिव शरीर पर पुष्प चक्र अर्पित कर नमन किया तथा ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने स्वर्गीय शुक्ल के पार्थिव शरीर को कंधा देकर उन्हें भावपूर्ण अंतिम विदाई दी। उन्होंने शोक संतप्त परिजनों से भेंट कर अपनी

गहरी संवेदनाएँ व्यक्त कीं तथा असंख्य पाठकों और साहित्य-प्रेमियों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की माटी से उपजे महान साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल के निधन से हिंदी साहित्य जगत को अपूरणीय क्षति पहुँची है। उनकी रचनाएँ संवेदनशीलता, मानवीय सरोकारों और सरल किंतु गहन अभिव्यक्ति की अनुपम मिसाल हैं। उन्होंने कहा कि शुक्ल की लेखनी ने हिंदी साहित्य को नई ऊँचाइयाँ प्रदान की।

ठंडा भजिया लाने पर मर्डर,दूध डेयरी में शराब पार्टी कर रहे थे दो दोस्त

रायपुर,24 दिसम्बर 2025। साथी की हत्या करने वाला आरोपी सनी साहू गिरफ्तार हो गया है, थाना खम्हारडीह क्षेत्रांतर्गत कचना स्थित साहू दूध डेयरी नालापारा में सनी साहू एवं दुर्गेश सतनामी काम करते थे तथा आपस में अच्छे दोस्त थे, दुर्गेश सतनामी डेयरी में रहता था। दिनांक 23-24.12.2025 की दरम्यानी रात्रि सनी साहू एवं दुर्गेश सतनामी पूर्व से शराब सेवन कर नशे में थे तथा पुनः डेयरी में बैठकर शराब सेवन कर रहे थे। दुर्गेश सतनामी द्वारा खाने हेतु भजिया लाया गया था, जो ठंडा हो गया था, सनी साहू ने दुर्गेश सतनामी से ठंडा भजिया लाया है कहकर विवाद करते हुये पास पड़े लोहे के रॉड से दुर्गेश सतनामी पर वार किया जिससे वह बेहोश कर गिर गया। सनी साहू द्वारा तत्काल दुर्गेश सतनामी को उपचार हेतु मेकाहारा अस्पताल लाया गया, जहां डॉ. द्वारा दुर्गेश सतनामी को चेक करने पर उसकी मृत्यु होना बताया गया। आरोपी सनी साहू द्वारा ठंड़ा भजिया लाने की बात पर दुर्गेश सतनामी पिता मोहन सतनामी उम्र 40 साल निवासी कचना थाना खम्हारडीह रायपुर की लोहे की रॉड से मारकर हत्या कर दी।

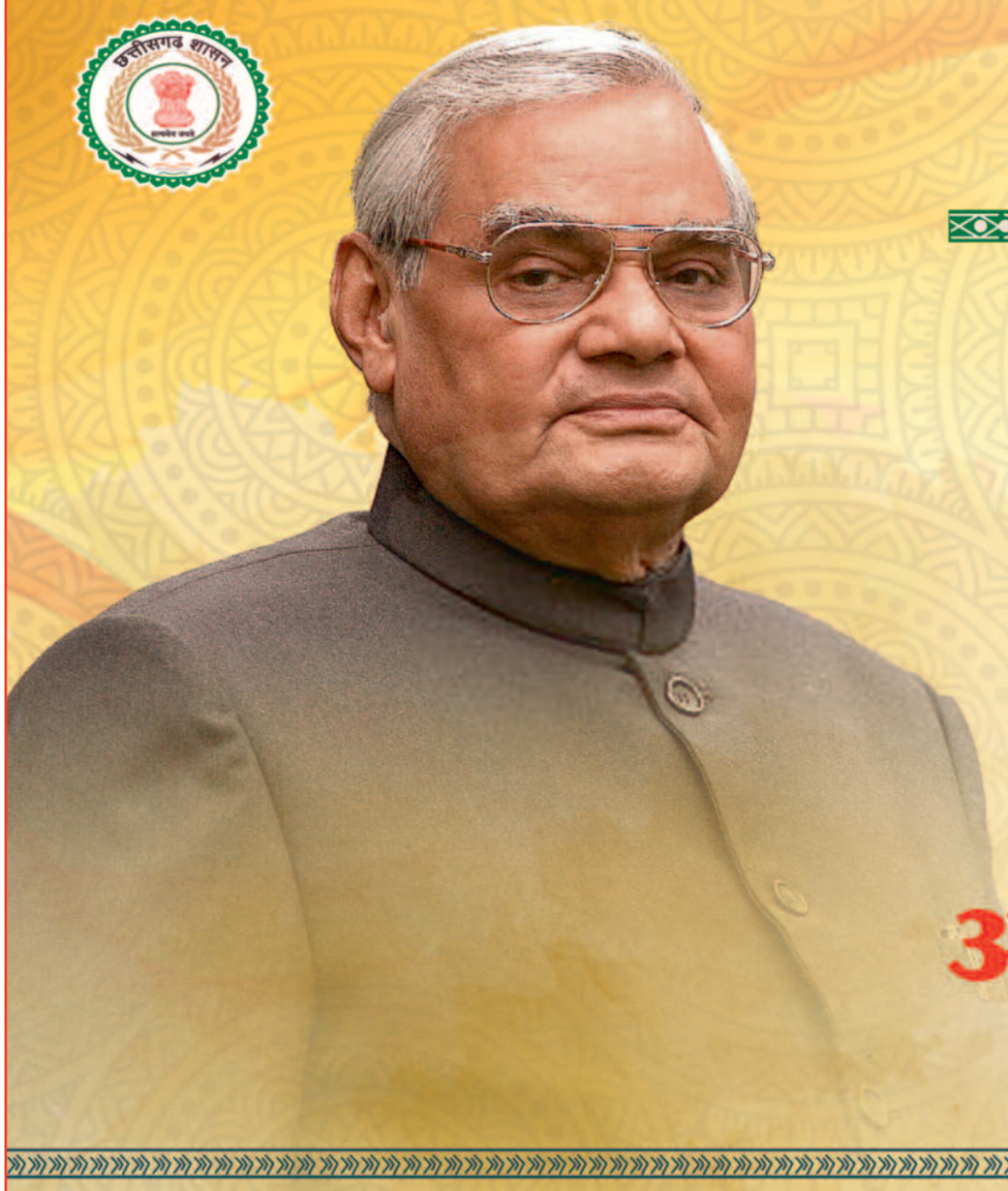

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25

विश्वास गौरव निर्माण

छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता

श्रद्धेय

अटल बिहारी वाजपेयी जी

की जयंती के उपलक्ष्य में

मनाए जाने वाले

सुशासन दिवस की

समस्त प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं

सामाजिक-सांस्कृतिक स्थलों के रूप में
115 शहरों में अटल परिसर
का लोकार्पण

400 से अधिक
प्रशासनिक सुधार से
निवेश की राह आसान

6,090 पंचायतों में
अटल पंचायत
डिजिटल सुविधा केंद्र

पारदर्शिता लाने
सुशासन एवं अभिसरण विभाग
का गठन

सुशासन के मंत्र से संवर रहा छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क | Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2023-2025-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)